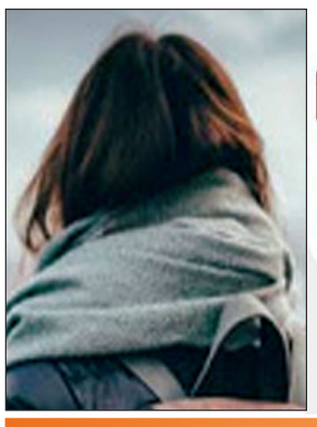

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सोलो ट्रेवलिंग पर जा रहे हैं तो इन बातों का रखें ध्यान पेज: 7

अली अबास जफर की फिल्म में ए शन का दम दिखाएंगे पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 329 | गुरुवार 12 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

'यह बेतुका है', कीर्ति आजाद के 'मंदिर' वाले बयान पर भड़के हरभजन सिंह, कहा- खेल में राजनीति न करें

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय क्रिकेट टीम की टी 20 वर्ल्ड कप 2026 में ऐतिहासिक जीत के बाद जहां पूरा देश जश्न में डूबा है, वहीं एक राजनीतिक विवाद ने भी तूल पकड़ लिया है। 1983 वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्य और राजनेता कीर्ति आजाद द्वारा टीम के मंदिर जाने पर उठाए गए सवालों के बाद, पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने उन्हें आड़े हाथों लिया है। यह ध्यान देने वाली बात है कि भारत के टी -20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद, कप्तान सूर्यकुमार यादव, हेड कोच और आईसीसी चीफ जय शाह के साथ, पास के हनुमान मंदिर में पूजा करने गए थे। इसी बात ने कीर्ति आजाद का ध्यान खींचा, जिन्होंने सोशल मीडिया पर भारतीय टीम की बुराई की और सवाल किया कि ट्रॉफी को मस्जिद, चर्च या गुरुद्वारे में क्यों नहीं ले जाया गया, क्योंकि जीत हर भारतीय की है और किसी एक धर्म की नहीं है।

'सदन कोई मेला नहीं', वक्ता पर सवाल उठाने वाले विपक्ष को अमित शाह की लोक सभा में दो टूक

नई दिल्ली एजेंसी: गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर बहस में हिस्सा लिया। शाह ने कहा कि अध्यक्ष पूरे सदन के हैं और किसी भी दल से संबद्ध नहीं हैं। अमित शाह ने कहा कि यह कोई साधारण बात नहीं है। लगभग चार दशकों के बाद लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। यह संसदीय राजनीति और इस सदन के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस सदन के स्थापित इतिहास के अनुसार, इसकी कार्यवाही आपसी विश्वास के आधार पर संचालित होती है। शाह ने कहा कि अध्यक्ष एक निष्पक्ष संरक्षक के रूप में कार्य करते हैं, जो सत्ताधारी दल और विपक्ष दोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

अध्यक्ष द्वारा सत्रों के संचालन के लिए विशिष्ट नियम इसी लोकसभा द्वारा बनाए गए हैं। यह सदन कोई बाजार नहीं है; सदस्यों से अपेक्षा की जाती है कि वे इसके नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार बोलें और भाग लें। उन्होंने कहा कि मैं पूरे सदन को बताना चाहता हूं कि विद्यमान स्पीकर की नियुक्ति जब हुई, तब दोनों दलों के नेता ने एक साथ उन्हें आसन पर बैठाने का काम किया। गृह मंत्री ने कहा कि इसका मतलब है कि स्पीकर को अपने दायित्वों के निर्वहन के लिए पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों ने एक प्रकार से मुक्त माहौल भी देना है और दायित्वों के निर्वहन के लिए उनका समर्थन भी करना है। मगर आज स्पीकर के निर्णय पर कोई

अमित शाह ने इसे संसदीय लोकतंत्र के लिए.....

लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसदीय लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि स्पीकर पूरे सदन के निष्पक्ष संरक्षक होते हैं और उनकी निष्ठा पर सवाल उठाना भारत की

असहमति तो व्यक्त हो सकती है, लेकिन लोकसभा के नियमों में स्पीकर के निर्णयों को अंतिम माना गया है। इसके विपरित विपक्ष ने स्पीकर की निष्ठा पर सवालिया निशान खड़ा किया। उन्होंने कहा कि ये लोकसभा भारत के लोकतंत्र की सबसे बड़ी पंचायत है, और न केवल भारत, बल्कि दुनियाभर में हमारी लोकतंत्र की साख बनी है, गरिमा बनी है... और पूरी दुनिया लोकतंत्र की इस प्रतिष्ठा को स्वीकार करती है। लेकिन जब इस पंचायत के मुखिया पर, उसकी निष्ठा पर सवालिया निशान लगता है तो केवल देश में नहीं, पूरी दुनिया में हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल खड़ा होता है। लेकिन यहां उनपर शंका के सवाल उठा दिए। अमित शाह ने कहा कि मैं बताना चाहता हूं कि 75 साल से इन दोनों सदनों ने हमारे लोकतंत्र की नींव को पाताल से भी गहरा किया है, लेकिन आज विपक्ष ने इस साख पर एक प्रकार से सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। सदन आपसी विश्वास से चलता है। पक्ष और विपक्ष–दोनों के लिए सदन के जो स्पीकर होते हैं, वे कस्टोडियन होते हैं। इसलिए नियम बनाए गए हैं। यह सदन कोई मेला नहीं है; यहां नियमों के अनुसार चलना पड़ता है। जो बातें सदन के नियम परमिट नहीं करते, उस तरह से बोलने का किसी को अधिकार नहीं है, चाहे वह कोई भी हो। विपक्ष जब निर्णय की निष्ठा पर सवाल खड़ा करता है तो मान्यवर ये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और निंदनीय भी है। ये हमारी परंपरा, उच्च परंपराओं का निर्वहन करने के लिए बहुत अफसोसजनक घटना है।

हॉरमुज कंजूस संकट के बीच सरकार का बड़ा आश्वासन, भारत की कच्चा तेल सप्लाई पूरी तरह सुरक्षित

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच वैश्विक ऊर्जा शिपमेंट में संभावित व्यवधानों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बावजूद, भारत की कच्चे तेल की आपूर्ति सुरक्षित और निर्बाध बनी हुई है। बुधवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में, एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि देश के पास वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 55 लाख बैरल कच्चे तेल की उपलब्धता है, और यह भी कहा कि आज प्राप्त की गई मात्रा उस मात्रा से अधिक है जो सामान्य रूप से इस अवधि के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से आती। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार और तेल कंपनियों ने आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने और ऊर्जा आयात को निर्बाध रूप से

जारी रखने के लिए कदम उठाए हैं। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि भारत की कच्चे तेल की आपूर्ति सुरक्षित है, और साथ ही यह भी बताया कि वर्तमान में लागू खरीद व्यवस्था देश की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त मात्रा में तेल उपलब्ध कराती है। यह आश्वासन ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और प्रमुख समुद्री मार्गों पर सुरक्षा चिंताओं के कारण आपूर्ति में व्यवधान की आशंकाएं बढ़ गई हैं। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले और उसके बाद हुई जवाबी कार्रवाई के बाद से इस क्षेत्र में तनाव बढ़ रहा है, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता और शिपिंग मार्गों को लेकर चिंताएं पैदा हो रही हैं। फारस की खाड़ी को वैश्विक बाजारों से जोड़ने वाला संकरा समुद्री मार्ग, होर्मुज जलडमरूमध्य, ईरान द्वारा सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई पर हुए हमलों और उनकी हत्या के बाद बंद किए जाने की घोषणा के बाद एक रणनीतिक अवरोध बिंदु बन गया है। यह जलडमरूमध्य वैश्विक तेल और गैस व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा वहन करता है, जिससे यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक बन गया है। भारत के कच्चे तेल आयात का लगभग आधा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, जबकि एलपीजी और एलएनजी कार्गो का एक बड़ा हिस्सा भी इसी मार्ग से होकर जाता है।

यूपी में एलपीजी सिलेंडर पर अफवाह फैलाने वालों की खैर नहीं, सीएम योगी का अल्टीमेटम- होगी सख्त कार्रवाई

लखनऊ एजेंसी: मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान के बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को चेतावनी दी कि उत्तर प्रदेश में तेल या गैस की कमी के बारे में अफवाहें फैलाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने राज्य भर के सभी जिला मजिस्ट्रेटों और पुलिस प्रमुखों को सख्त निर्देश जारी करते हुए उन्हें सतर्क रहने और गलत सूचनाओं के कारण जनता में दहशत न फैलने देने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को स्थिति पर कड़ी नजर रखने का निर्देश देते हुए कहा कि गैस और तेल की कालाबाजारी किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अफवाहें फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री के

निदेर्शानुसार, भ्रामक जानकारी फैलाने वाले व्यक्तियों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पुलिस मुख्यालय और जिला स्तर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की निगरानी तेज कर दी गई है। सभी जिलों में पुलिस टीमों को पेट्रोल पंपों के आसपास कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है ताकि जमाखोरी और अवैध गतिविधियों को रोका जा सके। साथ ही, जिला प्रशासन और आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को गैस एजेंसियों और दुकानों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों को एलपीजी सिलेंडरों का अवैध भंडारण करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा गया है। राज्य सरकार की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने का खतरा है। इस संकट ने भारत की लगभग 30 प्रतिशत गैस आपूर्ति को प्रभावित किया है, जिसके चलते केंद्र सरकार को आपातकालीन उपाय करने पड़े हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक राजपत्र अधिसूचना जारी कर निर्देश दिया है कि उपलब्ध गैस को गैर-प्राथमिकता वाले क्षेत्रों से आवश्यक उपयोगकताओं की ओर मोड़ा जाए। भारत वर्तमान में अपनी दैनिक प्राकृतिक गैस की मांग (191 मिलियन मानक घन मीटर प्रतिदिन) का लगभग आधा हिस्सा आयात से पूरा करता है। हालांकि, होर्मुज जलडमरूमध्य से टैंकरों की आवाजाही बाधित होने के कारण मध्य पूर्व से लगभग 60 मिलियन घन मीटर प्रतिदिन गैस आपूर्ति प्रभावित हुई है।

बीआरएस का राहुल गांधी पर तीखा हमला, केटी आर ने बताया 'संविधान का सबसे बड़ा दुश्मन'

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने बुधवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने कथित तौर पर दलबदल करने वाले विधायकों के खिलाफ लंबित अयोग्यता याचिकाओं को "अत्यधिक दबाव" में आकर खारिज करने का फैसला किया और राहुल गांधी को "एक मजाकिया नेता" बताया। मीडिया से बात करते हुए, केटीआर ने लोकसभा में विपक्ष के नेता पर आरोप लगाया कि वे एक तरफ खुद को संविधान का रक्षक बताते हैं, वहीं दूसरी तरफ दलबदल की बात करते हैं और कांग्रेस पर "संविधान पर हमला" करने का आरोप लगाते हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना अध्यक्ष पर यह फैसला लेने के लिए अत्यधिक दबाव था। राहुल गांधी एक मजाकिया नेता हैं। एक तरफ वे भारत के संविधान का अपमान करते हैं और खुद को भारत के संविधान का रक्षक बताते रहते

हैं, वहीं दूसरी तरफ वे दलबदल की बात करते हैं और स्वतः अयोग्यता की बात करते हैं। वे इतने बड़े मसखरे हैं कि उनके अध्यक्ष ने कांग्रेस टिकट पर सांसद चुनाव लड़ने वाले विधायक के खिलाफ याचिका खारिज कर दी। एक अंधा भी सही देख सकता है। तेलंगाना की जनता को जवाब दें। इंदिरा गांधी ने इन दलबदल की शुरूआत की है। आया राम गया राम की शुरूआत कांग्रेस ने की थी। कांग्रेस आज जो कर रही है, वह संविधान पर हमला है। राहुल गांधी इसमें मुख्य दोषी हैं। यह घटना तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार द्वारा कथित तौर पर दलबदल करने वाले विधायकों कडियाम श्रीहरि और दानम नागेंद्र के खिलाफ लंबित दो अयोग्यता याचिकाओं को खारिज करने के बाद सामने आई है। दानम नागेंद्र ने खैरताबाद विधानसभा क्षेत्र से बीआरएस के टिकट पर जीत हासिल की थी और बाद में सिकंदराबाद से कांग्रेस के टिकट पर सांसद के रूप में चुनाव लड़ा था। अलग से, आज सुबह केटी रामाराव (केटीआर) ने घोषणा की कि पार्टी तेलंगाना विधानसभा के चल रहे बजट सत्र के दौरान एक निजी सदस्य विधेयक पेश करेगी, जिसमें तेलंगाना की जनता के साथ कांग्रेस सरकार के कथित विश्वासघात को उजागर किया जाएगा

'हमें बोलने से रोका जाता है', संसद में गरजे राहुल गांधी, मोदी पर लगाए गंभीर आरोप, भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली एजेंसी: संसद में बोलते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि यहां चर्चा लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अध्यक्ष की भूमिका के बारे में है। कई बार मेरा नाम लिया गया है और मेरे बारे में बेबुनियाद बातें कही गई हैं। यह सदन भारत की जनता की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि यह किसी एक पार्टी का नहीं, बल्कि पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है। हर बार जब हम बोलने के लिए खड़े होते हैं, तो हमें बोलने से रोक दिया जाता है। पिछली बार जब मैंने बोला था, तो मैंने हमारे प्रधानमंत्री द्वारा किए गए समझौतों के बारे में एक बुनियादी सवाल उठाया था। राहुल गांधी ने कहा कि मुझे कई बार बोलने से रोका गया है। भारत के इतिहास में पहली बार नेता विपक्ष को सदन में बोलने नहीं दिया गया। हमारे प्रधानमंत्री की छवि खराब हो चुकी है, और यह बात सभी जानते हैं। गांधी की टिप्पणी का जवाब देते हुए भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद ने आरोप को खारिज करते हुए प्रधानमंत्री का बचाव किया। सदन में अपने जवाब के दौरान प्रसाद ने कहा कि मैं विपक्ष के नेता को याद दिलाना चाहता हूं कि भारत के प्रधानमंत्री से कभी समझौता नहीं किया जा सकता। राहुल गांधी ने आगे कहा कि लोकसभा भारत की जनता की आवाज का प्रतिनिधित्व करती है, न कि केवल एक राजनीतिक दल का। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्ष के सदस्यों को अपने विचार व्यक्त करने से रोका जा रहा है। गांधी ने कहा कि यहां चर्चा लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अध्यक्ष की भूमिका के बारे में है। कई बार मेरा नाम लिया गया है और मेरे बारे में बेबुनियाद बातें कही गई हैं। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई के हवाले से कहा कि यह सदन भारत की जनता की अभिव्यक्ति है।

जनता कब तक सहेगी? प्रियंका गांधी ने एलपीजी संकट पर संसद में चर्चा की मांग की

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने बुधवार को संसद में तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) आपूर्ति में जारी व्यवधान पर चर्चा का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनता महंगाई, बेरोजगारी और सिलेंडरों की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी का बोझ लंबे समय तक सहन नहीं कर सकती। संसद में बहस से महत्वपूर्ण जनहितैषी मुद्दों को उठाने का अवसर मिलेगा, यह कहते हुए कांग्रेस नेता ने संकट को और भी बदतर बनाने के लिए केंद्र सरकार की योजनाओं और नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। प्रियंका ने कहा कि जनता कब तक सहन करेगी? कीमतें बढ़ती ही जा रही हैं, बेरोजगारी बढ़ रही है, एलपीजी की स्थिति देखिए, यह सब उनकी नीतियों और योजनाओं के कारण है। अगर संसद में चर्चा हो पाती तो अच्छा होता, कम से कम जनहितैषी मुद्दों को तो उठाया जा सकता था। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच, केंद्र ने हाल ही में खाना पकाने

के एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में 60 रुपये की बढ़ोतरी की घोषणा की थी। इस बढ़ोतरी के बाद, दिल्ली में बिना सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडरों की कीमत 913 रुपये, कोलकाता में 939 रुपये, मुंबई में 912 रुपये और चेन्नई में 928 रुपये हो गई है। विभिन्न राज्यों में कीमतों में अंतर राज्य सरकार द्वारा लगाए गए लागू करों के कारण होता है। कई सांसदों ने एलपीजी सिलेंडरों की हालिया मूल्य वृद्धि पर चर्चा की मांग की है। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) के सांसद पी. संदोष कुमार ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच देश भर में सिलेंडरों की कथित कमी पर चर्चा के लिए आज राज्यसभा में कार्यविराम प्रस्ताव प्रस्तुत किया। सांसदों ने एलपीजी सिलेंडरों के लिए लंबी प्रतीक्षा अवधि और मूल्य वृद्धि का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इस कमी ने नागरिकों के लिए अत्यधिक कठिनाई पैदा कर दी है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान के बीच एलपीजी की कमी उत्पन्न हुई है। इसके जवाब में, केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू किया है

'मिडिल ईस्ट संकट पर राजनीति कर रही कांग्रेस', केरल में बोले पीएम मोदी, युद्ध ने हमें फिर समझाया आत्मनिर्भरता का महत्व

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राष्ट्र को समर्पित करते हुए कोच्चि में लगभग 10,800 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जो केरल में अवसंरचना, ऊर्जा और औद्योगिक विकास को एक बड़ा बढ़ावा देती हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोद ने कहा कि केरल की जनता ने देखा है कि कांग्रेस के नेता ड्रोन निर्माण में भारत के युवाओं की उल्लेखनीय उपलब्धियों से अनभिज्ञ हैं। कांग्रेस नेता को यह जानकारी नहीं है कि भारत में कई कंपनियां ड्रोन का निर्माण कर रही हैं। उन्हें यह भी नहीं पता कि केरल के युवाओं ने ड्रोन विकसित करने के लिए स्टार्टअप शुरू किए हैं। जो व्यक्ति अपनी संकीर्ण सोच में जकड़ा रहता है, वह देश की प्रगति को कभी नहीं देख पाएगा। मोदी ने कहा कि खाड़ी और पश्चिम एशिया में जो कुछ हो रहा है, उसे लेकर आप सभी का चिंतित होना स्वाभाविक है। याद रखिए, आज भाजपा-एनडीए सरकार सत्ता में है। जब भी हमारे देश का कोई नागरिक संकट में होता है, हम उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देते हैं। उन्होंने कहा कि चाहे इराक से नर्सों को बचाना हो या यमन में

आतंकवादियों के चंगुल से फादर टॉम को छुड़ाना हो, भारत आज भी संकट के समय में अपने नागरिकों को कभी नहीं छोड़ता। आज भी हमारा प्रयास युद्धग्रस्त देशों में फंसे भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे इस बात की तसल्ली है कि खाड़ी के हमारे सभी मित्र देशों की सरकारें

केरल में पीएम मोदी ने मिडिल ईस्ट संकट पर कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि जब सरकार भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी ताकत लगा रही है, तब कांग्रेस गैर-जिम्मेदाराना बयान देकर राजनीति कर रही है। उन्होंने विपक्ष पर आत्मनिर्भर भारत अभियान का मजाक उड़ाने और संकट काल में देश में दहशत फैलाने का भी आरोप लगाया।

हमारे नागरिकों का ख्याल रख रही हैं। उन देशों में हमारे मिशन और दूतावास चौबीसों घंटे उनकी सहायता कर रहे हैं। लेकिन यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस पार्टी इतने बड़े वैश्विक संकट के बीच भी राजनीति में उतरने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस जानबूझकर भड़काऊ और गैर-जिम्मेदाराना बयान देकर स्थिति को और बिगाड़ रही है। ताकि हमारे लोग इस संकट में फंसे रहें, और फिर ये लोग मोदी को गाली देने वाली रीलें बनाने का अभियान शुरू कर सकें। मोदी ने कहा कि खाड़ी में चल रहे युद्ध ने हमें एक बार फिर आत्मनिर्भरता का महत्व सिखाया है। हमने कोविड संकट, यूक्रेन संकट के दौरान आत्मनिर्भरता का महत्व देखा है और मौजूदा संकट ने इसे एक बार फिर साबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ भाजपा-एनडीए देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस और वामपंथी दल आत्मनिर्भर भारत अभियान का मजाक उड़ाने में लगे हैं... इन्होंने देश को विदेशी देशों पर और भी ज्यादा निर्भर बना दिया है। आज ये सभी मिलकर अफवाहें फैलाने में लगे हैं। यहां तक कि युद्धकाल में भी कांग्रेस, वामपंथी दल और उनके सहयोगी संगठन अपनी सारी ऊर्जा देश में दहशत फैलाने और संघर्ष पैदा करने में लगा रहे हैं। विपक्ष पर वार करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा कि सबरीमाला मंदिर मामले में उनकी साझेदारी पर विचार करें। एलडीएफ सदस्यों पर सोना लूटने का आरोप है

संपादकीय

ऊर्जा संकट में फंसा देश

तूफान आने पर रेत में सिर घुसाने की शुतुरमुर्गी प्रवृत्ति कितनी घातक होती है, यह बात अब शायद मोदी सरकार को समझ आ रही होगी। पिछले 12 सालों से देश को सब चंगा सी मोड में डाल कर रखा गया है। जनता का ध्यान भटकाने के लिए नित नए शिगूफे छेड़ दिए जाते हैं। लेकिन न वादों से पेट भरता है, न शिगूफों से असली समस्याओं का वास्तविक हल निकलता है। इसके लिए काम करने की जरूरत पड़ती है, जो मोदी सरकार ने किया नहीं। बल्कि जो बने-बनाए काम थे, उन्हें और बिगाड़ दिया। जिसका खामियाजा अब जनता भुगत रही है। यही कारण है कि 11 दिन पहले ईरान पर किया गया हमला अब भारत की आम जनता के लिए परेशानी का सबब बन गया है। ईरान पर हमले और पूरे पश्चिम एशिया में युद्ध के प्रभाव के कारण ईंधन आपूर्ति में बाधा आने लगी है, जिससे भारत में एलपीजी संकट गहरा गया है। हालांकि देश को कई बड़े पत्रकार और मीडिया घराने ये बता रहे हैं कि पाकिस्तान में ऊर्जा का कितना बड़ा संकट खड़ा हो गया है कि वहां स्कूलों, कार्यालयों में उपस्थिति 50 प्रतिशत तक घटा दी गई है, और महंगाई बढ़ने का खतरा है। लेकिन पाकिस्तान के बिगड़े हालात दिखाकर हम अपनी मुश्किल आसान नहीं कर सकते। इसलिए जो सच है, उसका सामना करना ही होगा। गनीमत है कि सरकार ने इस दिशा में पहला कदम बढ़ाया है। सरकार ने देश में घरेलू कुकिंग गैस की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम (एस्मा) लागू कर दिया है। सरकारी आदेश के मुताबिक कुछ क्षेत्रों को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर की जाएगी। इनमें घरेलू पीएनजी सप्लाई, ट्रांसपोर्ट के लिए सीएनजी, एलपीजी, पाइपलाइन कंप्रेसर फ्यूल और आवश्यक पाइपलाइन ऑपरेशनल जरूरतें शामिल हैं। केंद्र सरकार ने गैस बुकिंग का समय 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया है। दरअसल इससे पहले देश के कई शहरों में सिलेंडर के महंगे होने और कालाबाजारी की खबरें आने लगीं। सरकार ने तो अपनी तरफ से 60 रूपए घरेलू गैस में 115 रूपए कमर्शियल सिलेंडर में बढ़ाए हैं।

चिंतन-मनन

इसलिए सबसे छोटा है कलियुग

शास्त्रों में सृष्टि के आरंभ से प्रलय काल तक की अवधि को चार युगों में बांटा गया है। वर्तमान में हम जिस युग में जी रहे हैं उसे कलयुग कहा गया है। इससे पहले तीन युग बीत चुके हैं सतयुग, त्रेता और द्वापर। भगवान श्री राम का जन्म त्रेतायुग में हुआ था और द्वापर में भगवान श्री कृष्ण का। कलियुग के अंत में भगवान कलकि अवतार लेंगे और संसार में फैले पाप और अन्याय के साम्राज्य का अंत करके पुनः धर्म की स्थापना करेंगे। भगवान ने चारों युगों में सबसे कम उम्र कलियुग को प्रदान किया है। शास्त्रों में सतयुग की अवधि 17 लाख 28 हजार वर्ष बतायी गयी है और त्रेता की अवधि 12 लाख 28 हजार। द्वापर युग की अवधि 8 लाख 64 हजार है जो त्रेता से लगभग 4 लाख वर्ष कम है। कलियुग की अवधि द्वापर से ठीक आधी, यानी 4 लाख 32 हजार है।

सतयुग से कलयुग तक सभी युगों की अवधि छोटी होती गयी है। इसका कारण यह है कि, भगवान बताना चाहते हैं, जो जितना पापी होगा उसकी उम्र उतनी कम होगी। भविष्य पुराण सहित कई शास्त्रों एवं पुराणों में बताया गया है कि कलियुग में पाप की पराकाष्ठा होगी। मनुष्य का व्यवहार सृष्टि के नियम के विरूद्ध होता जाएगा। हिंसा में मनुष्य पशुओं को भी पीछे छोड़ देगा। पशु तो सिर्फ अपनी भूख मिटाने के लिए दूसरे पशु को मारते हैं मनुष्य अकारण ही दूसरे मनुष्य को मारेगा। सच्चे संत भिखारी कहलाएंगे और अपमानित होंगे। कथावाचक और झूठे संत ऊंचे आसन पर विराजमान होंगे। तुलसीदास जी ने भी कलियुग के इस रूप का वर्णन किया है।

त्रेतायुग में रावण ने सीता का हरण किया लेकिन उनकी मर्जी के बिना उन्हें अपनाना पाप समझा। इस युग में छोटा भाई बड़े भाई के प्रति आज्ञाकारी था। बड़ा भाई अपने स्वार्थ के लिए छोटे भाई के साथ छल नहीं करता था। इसका उदाहरण राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न ये चार भाई हैं। त्रेता से जब द्वापर में आते हैं तब पाप बढ़ता दिखता है।

द्वापर युग में देवर अपनी भाभी को बीच सभा में नग्न करने की कोशिश करता है जिसका उदाहरण द्रौपदी चीर हरण की घटना है। राजा अपनी शक्ति के मद में अबला स्त्रियों को हवस का शिकार बनाना चाहता है। इसका उदाहरण जयद्रथ द्वारा द्रौपदी हरण और दुर्योधन द्वारा भीलों की कन्या का हरण करने की घटना है। भाई अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए पूरे परिवार को युद्ध की आग मंस झोंक देता है इसका उदाहरण महाभारत युद्ध है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

जंग के चलते तेल-गैस आपूर्ति संकट पर घिरती सरकार

डॉ हिदायत अहमद खान

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के संयुक्त हमले के बाद पैदा हुए जंग के हालात ने पूरी दुनियां को अपने आतिशि आगोश में लेना शुरू कर दिया है। सैन्य संघर्ष का असर अब वैश्विक ऊर्जा बाजार पर साफ दिखाई देने लगा है, जिससे भारत भी अछूता नहीं है। ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ते टकराव ने तेल और गैस की आपूर्ति को लेकर दुनिया भर में चिंता पैदा कर दी है। इस संकट का सबसे बड़ा कारण उस समुद्री मार्ग पर बढ़ता जोखिम है, जिसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माना जाता है। स्ट्रैट ऑफ हॉर्मोज वही मार्ग है जिससे एशिया के कई देशों, जिनमें भारत, चीन और जापान प्रमुख हैं, को बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और गैस पहुंचती है। इस मार्ग के बंद होने की खबरों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारी हलचल पैदा कर दी है। नौ मार्च की शाम को तेल और गैस के वैश्विक बाजारों में अचानक उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि युद्ध का असर अब केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा से भी गहराई से जुड़ गया है। भारत में इस स्थिति को लेकर चिंता के स्वर उठने लगे हैं। हालांकि केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा है, कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की आपूर्ति में किसी तरह की कमी नहीं है और घबराने की आवश्यकता नहीं है। उनका कहना है कि भारत ने ऊर्जा आयात के कई वैकल्पिक स्रोत और रास्ते तैयार कर रखे हैं, जिससे आपूर्ति को स्थिर बनाए रखने में मदद मिल रही है। सरकार का दावा है कि घरेलू उपभोक्ताओं को सीएनजी और पीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, जबकि उद्योगों को भी 70 से 80 प्रतिशत तक गैस उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ गैस संकट के मद्देनजर सरकार ने एस्मा की भी घोषणा कर दी है। बावजूद इसके जमीनी स्तर पर तेल व गैस संकट साफ नजर आने लगा है। विभिन्न राज्यों के शहरों से आने वाली खबरें और सरकार के दावे पूरी तरह मेल नहीं खाती हैं। देश के कई शहरों में रेस्टोरेंट उद्योग ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति में बाधा आने की शिकायतें हैं। कुछ स्थानों पर सिलेंडर की उपलब्धता कम होने और बुकिंग नियमों में बदलाव की खबरें भी आम हैं। यही कारण है कि विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सरकार पर लगातार दबाव बना रहा है। मामला इसलिए भी राजनीतिक रूप से संवेदनशील हो गया है क्योंकि संसद का बजट सत्र जारी है। ऐसे में विपक्ष इस संकट को राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बनाना चाहता है और सरकार से स्पष्ट जवाब मांग रहा है। विपक्ष का कहना है कि ऊर्जा सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर सरकार को संसद में विस्तृत चर्चा करनी चाहिए और देश को यह बताना चाहिए कि संकट से निपटने के लिए क्या ठोस रणनीति तैयार की गई है।

मौजूदा स्थिति की गंभीरता का अंदाजा भारत के पड़ोसी देशों की हालत से भी लगाया जा सकता है। पाकिस्तान सरकार ने ईंधन की कमी के चलते स्कूल-कॉलेज तक बंद कर दिए हैं, जबकि बांग्लादेश में पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर सीमाएं तय कर दी गई हैं। इन परिस्थितियों के बीच भारत ने बांग्लादेश को तेल आपूर्ति करने का आश्वासन दिया है। केंद्र सरकार का यह कदम एक ओर भारत की क्षेत्रीय भूमिका और क्षमता का संकेत देता है, लेकिन दूसरी ओर यह सवाल भी उठाता है कि यदि वैश्विक संकट और गहरा हुआ तो क्या भारत अपनी घरेलू मांग को पूरी तरह सुरक्षित रख पाएगा। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है। इसलिए मध्य पूर्व में पैदा हुआ कोई भी संकट सीधे तौर पर भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। यदि तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें तेजी से बढ़ती हैं या आपूर्ति बाधित होती है, तो इसका असर परिवहन, उद्योग, महंगाई और आम उपभोक्ता के बजट पर पड़ना तय है। यही वजह है कि विशेषज्ञ लगातार यह सवाल उठा रहे हैं कि भारत के पास तेल और गैस का रणनीतिक भंडार कितने दिनों के लिए पर्याप्त है। क्या सरकार के पास ऐसी ठोस योजना है जिससे लंबे समय तक आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में भी कीमतों को नियंत्रित रखा जा सके?

इस संदर्भ में कई लोग पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल की भी चर्चा कर रहे हैं। उनके शासनकाल में वैश्विक आर्थिक मंदी आई थी, लेकिन आर्थिक प्रबंधन और नीतिगत संतुलन के कारण भारत पर उसका प्रभाव न के बतौर भी नजर नहीं आया था। यही कारण है कि आज भी उस दौर को आर्थिक स्थिरता के उदाहरण के रूप में याद किया जाता है। वर्तमान संकट भी कुछ वैसी ही दूरदर्शिता और संवाद की मांग करता है। ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक विषय नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आम जनता की जीवनशैली से जुड़ा मुद्दा है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष को भी भरोसे में लेकर एक पारदर्शी रणनीति प्रस्तुत करे। मध्य पूर्व की जंग कब तक चलेगी, इसका अनुमान लगाना कठिन है। लेकिन यह स्पष्ट है कि यदि संकट लंबा खिंचता है तो उसके प्रभाव से भारत भी अछूता नहीं रह पाएगा। इसलिए समय की मांग यही है कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर ऊर्जा सुरक्षा पर राष्ट्रीय सहमति बनाई जाए। यदि वास्तविक चुनौतियों को नजरअंदाज कर केवल आश्वासन दिए जाते रहे, तो हालात बिगड़ने में देर नहीं लगेगी। संकट के समय नेतृत्व की सबसे बड़ी कसौटी यही होती है कि वह सच्चाई स्वीकार करे, दूरदर्शी नीति बनाए और देश को भरोसे के साथ आगे बढ़ाए।

लापता होते बचपन की भयावह तस्वीर और समाज प्रशासन की जिम्मेदारी

कांतिलाल मांडोत

भारत में बच्चों के लापता होने की बढ़ती घटनाएं आज पूरे समाज के सामने एक गंभीर और चिंताजनक चुनौती के रूप में खड़ी हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 1 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच देश में कुल 33577 बच्चे लापता हुए। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं है बल्कि हजारों परिवारों के दर्द चिंता और अनिश्चितता की कहानी है। इन बच्चों में से 7777 बच्चों का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। यह स्थिति बताती है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए हमारी व्यवस्था और सामाजिक जागरूकता दोनों को और मजबूत बनाने की आवश्यकता है।

इस रिपोर्ट में सबसे ज्यादा चिंताजनक स्थिति पश्चिम बंगाल की है जहां 19145 बच्चे लापता हुए। इनमें से 15465 बच्चों को ढूंढ लिया गया लेकिन 3680 बच्चे अभी भी लापता हैं। दूसरे स्थान पर मध्य प्रदेश है जहां 4256 बच्चे गायब हुए और 1059 बच्चों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया। हरियाणा के आंकड़े भी चिंता बढ़ाने वाले हैं जहां 2209 बच्चे लापता हुए और 353 बच्चों का अभी तक कोई सुराग नहीं मिला। इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि बच्चों की सुरक्षा का मुद्दा केवल किसी एक राज्य का नहीं बल्कि पूरे देश की सामूहिक चिंता का विषय बन चुका है।

कुछ राज्यों में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर दिखाई देती है। नागालैंड अरुणाचल प्रदेश मणिपुर त्रिपुरा गुजरात लक्षद्वीप और दादरा एवं नगर हवेली जैसे क्षेत्रों में बच्चों के लापता होने का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ। यह तथ्य इस बात की ओर संकेत करता है कि जहां समाज सतर्क है और प्रशासन सक्रिय है वहां ऐसी घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। हालांकि कई राज्यों में बरामद बच्चों की संख्या अधिक होने का कारण यह भी है कि वहां दूसरे राज्यों के बच्चे भी पाए गए।

लापता बच्चों के पीछे कई कारण हो सकते हैं। कई बच्चे पारिवारिक विवाद या गुस्से में घर छोड़ देते हैं। कुछ बच्चे गलत संगत में पड़ जाते हैं। वहीं कई मामलों में मानव तस्करी और बच्चों को अगवा करने वाले गिरोह भी सक्रिय रहते हैं। यही कारण है कि ऐसे मामलों को केवल एक सामान्य घटना समझकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कई बार बच्चों को मजदूरी अपराध या अन्य अवैध गतिविधियों में धकेल दिया जाता है जिससे उनका पूरा भविष्य अंधकार में चला जाता है। समाचारों में सामने आए कुछ उदाहरण इस दर्दनाक सच्चाई को और गहरा कर देते हैं। हरियाणा के अंबाला की 14 वर्षीय लड़की 8 जनवरी को अपनी सहेली के घर जाने की बात कहकर घर से निकली थी लेकिन वह वापस नहीं लौटी। बस स्टैंड की सीसीटीवी फुटेज में उसे जाते हुए देखा गया लेकिन उसके बाद उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसी तरह अंबाला कैंट की एक लड़की परिवार से नाराज होकर घर से निकली और अभी तक वापस नहीं लौटी। परिवार अपनी बेटी के लौटने का इंतजार कर रहा है और पिता शहर में पर्चे बांटकर लोगों से जानकारी देने की अपील कर रहे हैं। ऐसे मामलों में परिवार की पीड़ा को शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल होता है।

हाल ही में मध्य प्रदेश के झाबुआ में भी एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई जहां साढ़े तीन साल की एक मासूम बच्ची बाजार से अचानक लापता हो गई। सीसीटीवी फुटेज में वह एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति और एक महिला के साथ दिखाई दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है लेकिन यह घटना बताती है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए कितनी सतर्कता आवश्यक है।

आजकल सोशल मीडिया और इंटरनेट पर ऐसे कई वीडियो सामने आ रहे हैं जिनमें बच्चों को अगवा करने वाले गिरोहों की गतिविधियों के बारे में जानकारी मिलती है। हालांकि हर वीडियो सही नहीं होता लेकिन कई मामलों में यह सच भी साबित हुआ है कि बच्चों को चोरी करने वाले गिरोह सक्रिय हैं। ऐसे गिरोह बच्चों को निशाना बनाकर उन्हें अगवा कर लेते हैं और फिर उन्हें दूसरे राज्यों में ले जाकर बेचने या अवैध कामों में इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं। यह केवल कानून का नहीं बल्कि मानवता का भी बड़ा अपराध है।

इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए पुलिस और प्रशासन को और अधिक सख्ती से काम करना होगा। लापता बच्चों के मामलों में तुरंत कार्रवाई होना जरूरी है। हर जिले में विशेष टीम बनाई जानी चाहिए जो ऐसे मामलों की जांच करे। सीसीटीवी कैमरों का नेटवर्क मजबूत किया जाए और बस स्टैंड रेलवे स्टेशन बाजार और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए। इसके साथ ही पुलिस को बच्चों को चुराने वाले गिरोहों के खिलाफ बड़े स्तर पर अभियान चलाना चाहिए। जब तक पुलिस ऐसे गिरोहों को पकड़कर जेल में नहीं डालेगी तब तक यह सिलसिला पूरी तरह खत्म नहीं होगा। अपराधियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए ताकि समाज में एक मजबूत संदेश जाए कि बच्चों के खिलाफ अपराध करने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ ही पुलिस को दूसरे राज्यों के साथ समन्वय बनाकर भी काम करना चाहिए क्योंकि कई मामलों में बच्चों को एक राज्य से दूसरे राज्य में ले जाया जाता है।

सिर्फ प्रशासन ही नहीं बल्कि समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है। माता पिता को अपने बच्चों पर ध्यान देना चाहिए और उन्हें अजनबियों से सावधान रहने की शिक्षा देनी चाहिए। स्कूलों में भी बच्चों को सुरक्षा के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। यदि किसी को कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचना देना चाहिए। समाज की जागरूकता कई अपराधों को होने से पहले ही रोक सकती है।

बच्चे किसी भी देश का भविष्य होते हैं। उनका सुरक्षित बचपन ही एक मजबूत समाज की नींव रखता है। यदि बच्चे ही असुरक्षित महसूस करेंगे तो यह पूरे समाज के लिए खतरे की घंटी है। इसलिए जरूरी है कि सरकार प्रशासन और समाज मिलकर इस समस्या से लड़ें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा असुरक्षित न रहे। आज जरूरत इस बात की है कि लापता बच्चों के हर मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया जाए और उसे केवल एक आंकड़ा बनकर न रहने दिया जाए। जब तक हर बच्चे को सुरक्षित घर और सुरक्षित भविष्य नहीं मिलेगा तब तक समाज की प्रगति अधूरी रहेगी। बच्चों की सुरक्षा केवल एक जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे समाज का नैतिक कर्तव्य है। जब प्रशासन की सख्ती और समाज की जागरूकता साथ आएगी तभी लापता होते बचपन की यह दर्दनाक कहानी रुक सकेगी और हर बच्चे को सुरक्षित जीवन मिल सकेगा।

वैश्विक युद्धोन्माद के बीच विश्व शांति की पुकार

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद विश्व ने एक ऐसी व्यवस्था बनाने की कोशिश की थी जिसमें शक्ति को नियमों और संस्थाओं के माध्यम से नियंत्रित किया जा सके। लगभग आठ दशकों तक यह वैश्विक व्यवस्था अनेक उतार-चढ़ावों के बावजूद किसी-न-किसी रूप में कायम रही। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, बहुपक्षीय समझौते, कूटनीतिक संवाद और साझा नियम-इन सबका उद्देश्य यही था कि दुनिया ह्यमत्स्य-न्यायह्ण यानी शक्तिशाली द्वारा कमजोर को निगल जाने की प्रवृत्ति से बची रहे। इसी सोच के तहत युनाइटेट नेशनस्, वर्ल्ड ट्रेड ऑरगेनाइजेशन, वर्ल्ड हेल्थ ऑरगेनाइजेशन, यूनेस्को और अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों की स्थापना हुई। इन संस्थाओं ने विश्व राजनीति को पूरी तरह आदर्श नहीं बनाया, लेकिन उन्होंने कम-से-कम इतना अवश्य सुनिश्चित किया कि शक्ति के साथ नियम और नैतिकता का एक आवरण बना रहे। परंतु आज यह व्यवस्था अभूतपूर्व संकट के दौर से गुजर रही है।

विश्व राजनीति में एक नया रुझान तेजी से उभर रहा है जिसमें सहयोग, संवाद और बहुपक्षीयता की जगह एकपक्षीय कार्रवाई, सैन्य शक्ति और त्वरित लाभ की मानसिकता को प्राथमिकता दी जा रही है। विशेष रूप से डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में अमेरिका की नीतियों ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। जो देश कभी वैश्विक नियम-आधारित व्यवस्था का प्रमुख निमार्ता और संरक्षक था, वही अब अनेक अंतरराष्ट्रीय समझौतों और संस्थाओं से दूरी बनाता दिखाई देता है। ट्रंप के पहले कार्यकाल में ही यह संकेत मिल गया था जब अमेरिका ने पेरिस क्लाइमेंट अग्रीमेंटस्, इरान न्यूक्लियर डील्स, विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनेस्को जैसी संस्थाओं से खुद को अलग करने की प्रक्रिया शुरू की। इन कदमों का संदेश यह था कि यदि किसी समझौते से तात्कालिक राष्ट्रीय हित प्रभावित होते हैं तो उसे छोड़ देना ही बेहतर है। इससे वैश्विक सहयोग की उस भावना को गहरा आघात पहुंचा, जो दशकों से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की आधारशिला रही है।

आज स्थिति और भी जटिल हो गई है। दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध और संघर्ष सामान्य घटनाओं की तरह स्वीकार किए जाने लगे हैं। चार वर्षों से जारी रुस-यूक्रेन युद्ध और दो वर्षों से चल रहा गाजा युद्ध इसका सबसे दुखद एवं विडम्बनापूर्ण उदाहरण हैं। इन संघर्षों ने लाखों लोगों के जीवन को संकट में डाल दिया है, शहरों को खंडहर में बदल दिया है और वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर बना दिया है। युद्ध की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह किसी स्थायी समाधान की ओर नहीं ले जाता। युद्ध में विजय का दावा करने वाले भी अंततः विनाश और पीड़ा के साथ ही जीते हैं। इतिहास गवाह है कि युद्ध ने कभी भी मानवता को गौरव नहीं दिया; उसने केवल तबाही, भय और अस्थिरता को जन्म दिया है। युद्ध के परिणामस्वरूप पर्यावरण का भारी नुकसान होता है, आर्थिक संसाधन नष्ट हो जाते हैं, महंगाई बढ़ती है, रोजगार के अवसर घटते हैं और समाज में असुरक्षा तथा अविश्वास की भावना गहरी हो जाती है।

आज विश्व के सामने सबसे बड़ी चिंता यह है कि युद्ध और हिंसा धीरे-धीरे सामान्यीकृत होते जा रहे हैं। अनेक बार युद्ध का उद्देश्य वास्तविक समाधान नहीं बल्कि घरेलू राजनीति में छवि निर्माण, शक्ति प्रदर्शन या आंतरिक संकटों से ध्यान हटाना बन जाता है। ऐसी परिस्थितियों में वैश्विक नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून दोनों कमजोर पड़ते हैं। यदि शक्तिशाली देश ही नियमों को तोड़ने लगें तो पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता खतरे में पड़ जाती है। मानवाधिकारों के प्रश्न पर भी दोहरे मानदंड दिखाई देते हैं। किसी एक देश की आलोचना की जाती है, लेकिन उसी तरह के कृत्यों पर दूसरे देशों के संदर्भ में चुप्पी साध ली जाती है। इससे मानवाधिकार एक सार्वभौमिक मूल्य के बजाय भू-राजनीतिक बहस का उपकरण बन जाते हैं। यदि विश्व समुदाय वास्तव में मानवता की रक्षा करना चाहता है तो उसे हर देश के लिए समान मानदंड अपनाने होंगे। इन परिस्थितियों में यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या दुनिया फिर से उस दौर की ओर बढ़ रही है जहां ह्यजिसकी लाठी उसकी भैंसह्ण ही अंतरराष्ट्रीय राजनीति का नियम बन जाएगा। यदि ऐसा हुआ तो यह केवल छोटे देशों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी मानव सभ्यता के लिए गंभीर खतरा होगा।

भारत का ऐतिहासिक दृष्टिकोण इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वतंत्रता के बाद से भारत ने संप्रभुता, गैर-हस्तक्षेप और बहुपक्षीय सहयोग की नीति का समर्थन किया है। भारत का यह विश्वास रहा है कि वैश्विक समस्याओं का समाधान केवल सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। यही कारण है कि भारत ने हमेशा शांति, संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। आज जब विश्व व्यवस्था डगमगा रही है, तब भारत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न केवल एक उभरती आर्थिक शक्ति है बल्कि एक ऐसी सभ्यता का प्रतिनिधि भी है जिसने सदियों से अहिंसा, सह-अस्तित्व और मानवता के मूल्यों को महत्व दिया है। महात्मा गांधी की अहिंसा की परंपरा और भारत की आध्यात्मिक विरासत आज भी विश्व को दिशा दे सकती है।

इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने बढ़ते वैश्विक प्रभाव का उपयोग विश्व शांति की दिशा में और अधिक सक्रिय रूप से करें। पिछले वर्षों में भारत ने कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति, सहयोग और विकास की बात को प्रमुखता से उठाया है। अब समय आ गया है कि इस पहल को और व्यापक बनाया जाए। भारत को चाहिए कि वह वैश्विक स्तर पर युद्धविराम, संवाद और कूटनीतिक समाधान के लिए पहल करे। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष हो या पश्चिम एशिया की त्रासदी-इन सबके समाधान के लिए संवाद की नई पहल आवश्यक है। भारत यदि मध्यस्थता और शांति प्रयासों में सक्रिय भूमिका निभाए तो वह विश्व राजनीति में एक संतुलनकारी शक्ति बन सकता है। इसके साथ ही परमाणु हथियारों और शस्त्रों की होड़ पर भी गंभीर चिंतन आवश्यक है। आज दुनिया में जिस गति से आधुनिक हथियारों का भंडार बढ़ रहा है, वह मानवता के लिए गंभीर खतरा है। किसी भी क्षण किसी राष्ट्र की नासमझी या राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूरी दुनिया को विनाश के कगार पर ला सकती है। इसलिए निशस्त्रीकरण और हथियार नियंत्रण की दिशा में नए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों की आवश्यकता है।

यदि विश्व समुदाय मिलकर युद्ध के स्थान पर संवाद और सहयोग को अपनाए तो न केवल वैश्विक स्थिरता कायम होगी बल्कि मानवता विकास और समृद्धि के नए मानक भी स्थापित कर सकेगी। यही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आशा भी। आज जब विश्व युद्ध, हिंसा और शक्ति-प्रतिस्पर्धा के तनाव से जूझ रहा है, तब दुनिया की निगाहें स्वाभाविक रूप से भारत की ओर उठती हैं। भारत वह धरती है जहाँ शांति, सह-अस्तित्व और अहिंसा केवल राजनीतिक नीतियाँ नहीं बल्कि जीवन-दर्शन के रूप में विकसित हुए हैं। इसी भूमि से ह्ववसुधैव कुटुम्बकम्का वह महान मंत्र निकला जिसने संपूर्ण मानवता को एक परिवार के रूप में देखने की दृष्टि दी। महात्मा गांधी ने इसी भारतीय परंपरा को आधुनिक युग में अहिंसा की शक्तिशाली राजनीतिक और नैतिक शक्ति के रूप में स्थापित किया और दुनिया को बताया कि संघर्षों का समाधान हिंसा से नहीं बल्कि सत्य, करुणा और संवाद से संभव है। भारत की आध्यात्मिक विरासत-जिसमें महावीर और गौतम बुद्ध जैसे महापुरुषों की शिक्षाएँ समाहित हैं, मानवता को यह संदेश देती है कि शांति ही स्थायी विकास और वैश्विक संतुलन का आधार है। आज की अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों में भारत की यही अहिंसात्मक दृष्टि, उसकी आध्यात्मिक शक्ति और सर्वहित की भावना विश्व को एक नई दिशा दे सकती है तथा मानवता को संघर्ष की अंधी दौड़ से निकालकर सहयोग, सद्भाव और स्थायी शांति के मार्ग पर अग्रसर कर सकती है।

डीएम ने की उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर भर्ती परीक्षा की तैयारियों के संबंध में बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद की उपस्थित में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में 14 एवं 15 मार्च 2026 को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित कराई जाने वाली उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती 2025 परीक्षा की तैयारियों के संबंध में बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा केन्द्रों पर पुरूष एवं महिला अभ्यर्थियों की जांच के लिए अलग-अलग स्टाफ की ड्यूटी लगाई जाए। उन्होने सख्त निर्देश दिए कि परीक्षा केन्द्र के अन्दर उपस्थित सभी कार्मिक अपने फोटोयुक्त पहचान पत्र जरूर प्रदर्शित करें। सभी सेक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक केन्द्र पर्यवेक्षक निर्धारित प्रक्रियानुसार परीक्षा के सफल संचालन एवं परीक्षा को सकुशल, निर्विघ्न, निष्पक्षता एवं शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए लगन, सजगता, आत्मानुशासन एवं समयबद्धता से सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा को पूर्व परीक्षाओं की भांति पूरी पारदर्शिता के साथ नकलविहीन संपन्न करायी जाये। इसकी संवेदनशीलता, शुचिता एवं पारदर्शिता किसी भी स्तर पर भंग न हो, यदि कोई भंग करने का प्रयास करेगा तो उसके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होने रेलवे, रोडवेज एवं परिवहन विभाग को निर्देश दिए कि परीक्षार्थियों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पडे। निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि समस्त परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की उपलब्धता सुनिश्चित कर ली जाए। जनपद में काफी संख्या में अभ्यर्थियों का मूवमेंट होगा। किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसलिये अधिकारी सभी तैयारियां पूर्ण कर लें। उप निरीक्षक नागरिक सुरक्षा एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा जनपद में 10 परीक्षा केंद्रों पर संपादित होगी जिन पर 18240 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। प्रथम पाली पूर्वान्ह 10:00 से 12:00 बजे तक एवं द्वितीय पाली अपरान्ह 03:00 से 05:00 बजे तक प्रतिदिन दो सत्रों में होगी। उन्होने निर्देश दिए कि परीक्षा केन्द्रों पर आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था भी सुनिश्चित कर लें। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आंनद ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण परीक्षा है इसलिए किसी भी भ्रामक खबरों से बचना होगा। स्टेटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, पुलिस, केंद्र व्यवस्थापक सभी को अपनी ड्यूटी बहुत ही अच्छे से करनी है। उक्त परीक्षा के संबंध में जो पुस्तिका है उसको ठीक से पढ़ ले ताकि किसी प्रकार की समस्या ना हो। ए0के0के0 इंटर कालेज, भगवत सरन इंटर कालेज, राजकीय बालिका इंटर कालेज, राजकीय इंटर कालेज, आइ0एम0 इंटर कालेज, जे0एस0 हिंदू इंटर कालेज, जेएस हिंदू महाविद्यालय ब्लाक-ए, जे0एस0 हिंदू महाविद्यालय ब्लाक-बी, कुंदन माडल इंटर कालेज और सिख इंटर कालेज। नकल विहीन और शुचितापूर्ण परीक्षा आयोजित कराने के संबंध में उन्होंने कहा कि परीक्षा के संबंध में भर्ती बोर्ड द्वारा जारी निदेर्शों का कड़ाई से शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जाये। परीक्षा केन्द्रों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति एवं बेहतर प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये। कक्ष निरीक्षकों की अच्छी तरह से ब्रीफिंग और ट्रेनिंग करा दी जाये। परीक्षा के दौरान सभी अधिकारी भ्रमणशील रहें। कोषागार से परीक्षा केन्द्रों तक प्रश्न पत्र को गाडी में पुलिस अभिरक्षा सहित प्रोटोकाल का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करते हुए ले जाया जाए। उन्होने निर्देश दिए कि परीक्षा केन्द्र के अंदर मोबाइल, यूएसबी ड्राइव, कैमरा, वाच, चाबियां, ब्लूटूथ, डिजिटल पैन, हैल्थ बैण्ड आदि इलैक्ट्रानिक गैजेट्स पूर्ण प्रतिबंध होंगे। केवल पेन, प्रवेश पत्र एवं आईडी कार्ड के साथ ही अभ्यर्थी परीक्षा केन्द्र के अंदर प्रवेश कर सकेंगे।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने बताया कि समस्त परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी लगा दी गई है। अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए यातायात प्रबंधन की समुचित व्यवस्था की गई है।

बैठक में अपर जिला मजिस्ट्रेट गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, सैक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जनपद में गैस की उपलब्धता की नहीं है कोई कमी : जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स

अमरोहा (सब का सपना):- जिला पूर्ति अधिकारी रीना कुमारी ने अवगत कराया कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी असाधारण गजट 09 मार्च के द्वारा प्राकृतिक गैस (आपूर्ति विनियमन) आदेश, 2026 लागू किया गया है। जिसके दृष्टिगत सभी गैस एजेन्सियों जनपद अमरोहा को गैस कनेक्शनधारकों को निर्बाध रूप से घरेलू एल०पी०जी० गैस (14.2 कि0ग्रा0) आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। जनपद अमरोहा में घरेलू सामान्य गैस सिलेण्डर तथा उज्जवला योजना के कुल-457808 उपभोक्ता है। जनपद अमरोहा में गैस की उपलब्धता की कमी नहीं है। गैस सिलेण्डर की कालाबाजारी रोकने के लिए शत प्रतिशत ओ०टी०पी० के माध्यम से बुकिंग (25 दिन) उपरान्त डिलीवरी की जा रही है। जिला अधिकारी की आमजनमानस से अपील है कि भ्रामक खबरों व अफवाहों पर विश्वास न करें, गैस एजेन्सियों पर लम्बी कतारें व भीड़ लगाने से बचे तथा उपभोक्ताओं को गैस सिलेण्डर की डिलीवरी बुकिंग के पश्चात नियमानुसार की जायेगी। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा सभी एल० पी०जी० विक्रय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि जनपद में घरेलू गैस सिलेण्डर की किसी भी तरह की कालाबाजारी व जमाखोरी न होने पाये तथा कालाबाजारी की शिकायत प्राप्त होने पर शिकायत की जांचोपरान्त दोषी के विरूद्ध विधिक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। जिला पूर्ति कार्यालय पर गैस सम्बन्धी समस्या हेतु कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका दूरभाष न0-05922-297122 है।

धनौरा पुलिस ने चार साल की मासूम से दरिंदगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा में मंगलवार की देर रात चार साल की मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी के मामले में धनौरा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ इस मामले में पोक्सो एक्ट सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। बता दें कि यह घटना बीते मंगलवार की देर रात की है जहां कस्बे के एक मोहल्ले में रहने वाली चार वर्षीय बच्ची के साथ उसके पड़ोसी धर्मपाल पुत्र मोहन ने कथित तौर पर दरिंदगी की। पीड़िता की माँ द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार, दोपहर करीब 12 बजे बच्ची लहूलुहान हालत में रोती हुई घर पहुँची।डरी-सहमी बच्ची ने अपनी माँ को बताया कि आरोपी धर्मपाल ने उसके साथ गलत काम किया और शोर मचाने पर उसका मुँह दबा दिया था।शुरूआत में बदनामी के डर से परिजन पुलिस के पास जाने में हिचकिचा रहे थे। हालांकि, आरोपी की क्रूरता और मासूम की गंभीर हालत को देखते हुए परिजनों ने न्याय के लिए पुलिस से संपर्क करने का निर्णय लिया।मामले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्राधिकारी अंजलि कटारिया और प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह ने तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की।पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देश पर गठित टीम ने आरोपी की तलाश में दबिश देनी शुरू की। बुधवार को उप-निरीक्षक नीरज कुमार को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी भागने की फिराक में है।पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शेरपुर रोड स्थित भारत पेट्रोल पंप के पास से अभियुक्त धर्मपाल को गिरफ्तार कर लिया।थाना प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह ने बताया, "पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मु0अ0सं0 086/2026 की धारा 65 (2) BNS एवं 5(M)/6 पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की है। समाज में ऐसे जघन्य अपराध करने वालों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है।

"इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह, उप-निरीक्षक नीरज कुमार, कांस्टेबल नितिन, रामभरोसे और राजकुमार शामिल रहे। अभियुक्त को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। इस घटना के बाद से स्थानीय लोगों में आरोपी के प्रति भारी रोष व्याप्त है।

17 मार्च को जिले में एक दिवसीय माटीकला जागरूकता कार्यक्रम व टूल किट्स वितरण कार्यक्रम

अमरोहा (सब का सपना):- जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि उत्तरप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड /उ०प्र० माटीकला बोर्ड द्वारा माटीकला कार्य में लगे कुम्हार/परम्परागत कारीगरों, उद्यमियों / शिल्पियों के समन्वित विकास हेतु माटीकला विपणन विकास सहायता एवं प्रचार-प्रसार योजना के अन्तर्गत एक दिवसीय माटीकला जागरूकता कार्यक्रम व टूल किट्स वितरण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 17 मार्च को दिन में 11:00 बजे से विकास भवन परिसर, अमरोहा में किया जा रहा है। माटीकला जागरूकता कार्यक्रम का मूल उद्देश्य जनमानस में माटीकला उत्पादों के उपयोग के प्रति आकर्षण पैदा करना तथा माटीकला विधा के कारीगरों को अपने उत्पादों के विपणन हेतु प्रचार-प्रसार के लिए बहुविध प्रेरित करना साथ ही साथ विभाग द्वारा संचालित योजनाओं, क्रिया कलापों तथा कार्यरत उद्यमियों को उत्पाद विकास, गुणवत्ता एवं आधुनिक तकनीक की जानकारी उपलब्ध कराना है। जागरूकता कार्यक्रम में उ०प्र० माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित समस्त योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी प्रदान करायी जायेगी। ये जागरूकता कार्यक्रम उ०प्र० खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड /उ०प्र० माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं के माध्यम से भविष्य में माटीकला के उत्पादों की महत्ता, उपयोगिता,

आवश्यकता का भान कराने तथा माटीकला के विविध उत्पादों की परिचयात्मक जानकारी देने के साथ-साथ रोजगार स्थापित करने के इच्छुक बेरोजगार व्यक्तियों के लिये अत्यन्त लाभ दायक होंगे अतः उन्हे कार्यक्रम में प्रतिभाग हेतु आमन्त्रित किया जाता है।

सीएचसी में 'नो स्मोकिंग डे' पर डॉक्टर ने युवाओं को नशे से दूर रहने की दिलाई शपथ

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के तहसील धनौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बुधवार को युवाओं को नशे के प्रति जागरुक करते हुए 'नो स्मोकिंग डे' के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। जिसमें डॉक्टर द्वारा युवाओं को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई एवं नशे से शरीर पर होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएचसी प्रभारी डॉ राहुल कुमार ने की जिसमें अस्पताल स्टाफ और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र छात्रों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। बता दें कि डॉ राहुल कुमार ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि तंबाकू का सेवन केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। इससे कैंसर, हृदय रोग और फेफड़ों की गंभीर बीमारियाँ हो सकती हैं।उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे इस लत से दूर रहें और एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दें।इस दौरान डॉ. राहुल ने सभी को जीवन भर धूम्रपान न करने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई। उन्होंने जोर देकर कहा कि दृढ़ संकल्प और परिवार के सहयोग से किसी भी बुरी लत को छोड़ा जा सकता है।इस अवसर पर डॉ. राहुल कुमार के साथ डॉ. अनामिका सिंह, डॉ. सीमा, डॉ. परवेज, डॉ. सोनम रस्तौगी, डॉ. निशिका कौशिक, डॉ. कुलदीप शर्मा, सुनील कुमार, नरेंद्र सिंह, मुस्कान कटियार, कृष्ण वर्मा, मोहित बिश्नोई, अभिषेक वर्मा, संदीप सैनी, शैली यादव, अमित कुमार, विनोद कुमार, ममतेश कुमारी सहित अस्पताल का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।कार्यक्रम का समापन "तंबाकू को कहें ना, स्वस्थ जीवन को कहें हाँ" के प्रेरणादायक संदेश के साथ हुआ।

एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के तहत जिला स्तरीय कृषक मेला एवं गोष्ठी का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के तहत जिला स्तरीय कृषक मेला एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जनपद के अतरासी रोड स्थित एक निजी बैंक्वेट हॉल में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर बागवानी एवं संरक्षित शाक भाजी, पुष्प तथा मसाला उत्पादन से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। जिला उद्यान विभाग के मुखिया अवनीश कुमार श्रीवास्तव ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि योजना के तहत लाभ प्राप्त करने वाले किसान फल, फूल, सब्जियों का उत्पादन कैसे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने आधुनिक तकनीकों, उन्नत बीजों, संरक्षित खेती तथा विषमुक्त उत्पादन पर जोर दिया। इससे किसानों को बेहतर आय और बाजार में अधिक मूल्य प्राप्त करने में मदद मिलेगी।कार्यक्रम में लगभग 250 किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न विभागों जैसे वन विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि विभाग, उद्यान विभाग आदि ने स्टॉल लगाकर जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक डॉक्टर रामप्रवेश, जिला उद्यान अधिकारी अवनीश कुमार श्रीवास्तव, साथी अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकताओं ने धूम्र पान निषेध दिवस के उपलक्ष्य में किया गोष्ठी का आयोजन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकताओं द्वारा दी किसान सहकारी चीनी मिल परिसर हसनपुर में गन्ना आपूर्ति कर्ता किसानो के बीच धूम्र पान निषेध दिवस के उपलक्ष्य में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने बताया कि बीड़ी सिगरेट आदि में कई हानिकारक गैसों की मौजूदगी से धूम्रपान न केवल धूम्रपान करने वाले के लिए हानिकारक है बल्कि उसके द्वारा छोड़े गए धुएं से पास में मौजूद लोगों के सांस लेने से उसके शरीर को भी नुकसान पहुंचाता है। उसी प्रकार गुटखा तम्बाकू आदि भी शरीर के लिए हानिकारक हैं। इस अवसर पर मौजूद किसानो को जागरूक करते हुए उन्हें गुटखा तम्बाकू धूम्रपान न करने का संकल्प दिलाया साथ ही परिवार को भी तम्बाकू धूम्रपान से मुक्त रखने की अपील की। सरकारी दफ्तरों में कुछ कर्मियों द्वारा गुटखा, तम्बाकू, धूम्रपान आदि के प्रयोग किए जाने पर रोष व्यक्त किया। एक स्वर से ड्यूटी टाइम पर गुटखा, तम्बाकू, धूम्रपान करने वाले सरकारी कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की। इस अवसर पर महिपाल सिंह प्रांत गन्ना मंत्री भारतीय किसान संघ, सुभाष सिंह, कांछिद, दीपक चौहान, रविन्द्र सिंह, ब्रजपाल, सोमपाल सिंह, मंगल सिंह आदि मौजूद रहे।

जनगणना की तैयारियां शुरू, फील्ड ट्रेनरों को दिया गया प्रशिक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जनगणना-2027 (प्रथम चरण-मकानों के सूचीकरण एवं मकानों की गणना हेतु पैनासिया कालेज ऑफ फैशन डिजायन, जोया रोड अमरोहा में जिला-स्तरीय 03 दिवसीय फील्ड ट्रेनर के प्रथम बैच का प्रशिक्षण शुरू हो गया है। यह प्रशिक्षण दिनांक 11 से 13 मार्च तक होना है। उक्त प्रशिक्षण जिले के 02 मास्टर ट्रेनर अमल यादव एवं आलोक कुमार एवं जनगणना कार्य निदेशालय लखनऊ के व्यास नन्दन, जिला प्रभारी अमरोहा द्वारा कुल 32 फील्ड ट्रेनरों को प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण हेतु उप जिलाधिकारी पुष्पकर नाथ चौधरी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। उप जिलाधिकारी द्वारा फील्ड ट्रेनरों को निर्देश दिये गए कि समय के अनुसार प्रशिक्षण सत्र में उपस्थित रहे एवं प्रशिक्षण से संबंधित समस्यों का निराकरण करें। प्रशिक्षण के दौरान संपूर्ण कवरेज एवं सही आंकड़े इकट्ठा करने संबंधी निर्देश दिये गये।

जनगणना- 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना 22 मई से 20 जून, 2026 तक होगी। द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना होगी, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का विवरण दर्ज होगा 9 से 28 फरवरी, 2027 तक होगी। इसके बाद 1 से 5 मार्च, 2027 तक पुनरीक्षण राउंड चलाया जाएगा। जनगणना-2027 के लिए जिले से दो मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण 17 से 21 फरवरी तक मुख्यालय लखनऊ में कराया गया है। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा जिले में फील्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

राज्य महिला आयोग की सदस्या संगीता जैन ने की जनसुनवाई

पीड़ित महिलाओं की समस्या सुनकर दिया न्याय का भरोसा

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकास भवन सभागार में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग सदस्या संगीता जैन ने जनपद में महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने हेतु महिलाओं के लाभार्थ हेतु एक दिवसीय जनसुनवाई कार्यक्रम विकास भवन सभागार कक्ष जोया रोड अमरोहा में आयोजित किया गया। जिसमें संगीता जैन के समक्ष 12 महिलाओं द्वारा अपनी समस्याओं को रखा गया, जिनको संगीता जैन द्वारा गंभीरता पूर्वक सुना गया तथा उन सभी महिलाओं को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। प्राप्त प्रार्थना पत्रों का यथा शीघ्र निस्तारण कर आख्या से अवगत कराया जाए एवं महिलाओं से संबंधित अधिक से अधिक प्रकरणों का जनपद स्तर पर ही निस्तारण कर दिया जाएं। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई महिला अगर शिकायत लेकर थाने में जाती है तो पूरी गंभीरता के साथ महिलाओं की शिकायतों को सुनते हुए आवश्यक कार्यवाही करते हुए शिकायतकर्ता को संतुष्ट किया जाए। साथ ही उनके द्वारा कहा गया की घरेलू हिंसा से संबंधित जितने भी प्रकरण लंबित हैं ऐसे प्रकरणों में सर्वप्रथम दोनों पक्षों को बुलाकर उनकी वार्ता वन स्टाफ केंद्र एवं संबंधित महिला थाना पर कराई जाए। सदस्या संगीता जैन ने यह भी निर्देश दिए की मौके पर पहुंच कर समझौते के आधार पर अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण कराया जाए। निस्तारण में समस्या आने पर आवश्यकता अनुसार प्रशासन का सहयोग लिया जाए, जिसमें किसी भी प्रकार की स्थिरता या लापरवाही ना बढ़ती जाए तथा प्रदेश सरकार की मंशा के अनुसार महिला आयोग महिलाओं की सुरक्षा में न्याय दिलाने को लेकर पूरी तरह से संवेदनशील है। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह, सीओ अंजलि कटारिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी ज्ञान विकास, खंड शिक्षा अधिकारी भारत भूषण, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य स्नेहलता सहित संबंधित कर्मचारी मौजूद रहे।

पिकअप वाहन सहित कूलर लूटने की घटना का पुलिस ने किया खुलासा

70 सीसीटीवी कैमरे खंगालकर पुलिस ने चारों आरोपियों को माल व कार सहित दबोचा

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- थाना असमोली क्षेत्र में पिकअप वाहन सहित 20 कूलर लूटने की घटना का पुलिस ने खुलासा कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए 20 कूलर, अशोक लीलैण्ड पिकअप वाहन और घटना में प्रयुक्त सैन्ट्रो कार बरामद की है। मिली जानकारी के मुताबिक पीड़ित शाहिद पुत्र महमूद निवासी ग्राम हादरपुर जमनिया थाना अमरोहा देहात, जनपद अमरोहा ने थाना असमोली में लिखित तहरीर देकर बताया कि 8 मार्च की सुबह वह अपनी अशोक लीलैण्ड पिकअप में 20 कूलर लादकर अमरोहा से बहजोई के लिए निकला था। जब वह अमरोहा सम्भल मार्ग पर स्थित मातीपुर गांव के पास पहुंचा तो एक सफेद रंग की सैन्ट्रो कार में सवार चार लोगों ने उसे बताया कि उसकी गाड़ी के रस्से ढीले हैं और कूलर गिर सकते हैं। पीड़ित ने जब गाड़ी रोककर रस्सों की जांच शुरू की तो सैन्ट्रो कार से तीन लोगों ने उतरकर उसे घेर लिया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। इसके बाद आरोपी पिकअप में लदे 20 कूलर सहित वाहन लेकर मौके से फरार हो गए। घटना के संबंध में पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना असमोली में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार विश्नोई, अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह और क्षेत्राधिकारी असमोली कुलदीप कुमार के निर्देशन में थाना प्रभारी संजीव गिरी के नेतृत्व में पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने घटना के खुलासे के लिए करीब 70 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और सुरागरसी करते हुए मंगलवार को ग्राम असमोली से इकरोटिया जाने वाले मार्ग से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शमीम पुत्र नौशे (37), समीर पुत्र नवाबदुल्ला (23), कासिम पुत्र फिरासत (32) और आफताब पुत्र नायाब अहमद (36) के रूप में हुई है।

पुलिस ने इनके कब्जे से लूटे गए 20 कूलर, अशोक लीलैण्ड पिकअप वाहन और घटना में प्रयुक्त सैन्ट्रो कार बरामद कर ली है। खबर लिखे जाने तक पुलिस आरोपियों के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई करने में जुटी थी।

अलविदा जुम्मा और ईद पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की मांग सपा कार्यकताओं ने सौंपा ज्ञापन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फिरोज खान के नेतृत्व में मंगलवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने अलविदा जुम्मा और ईदुल फितर के मौके पर नमाजियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कराने की मांग को लेकर जिलाधिकारी सम्भल को संबोधित ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा और उपजिलाधिकारी सदर निधि पटेल को दिया गया। ज्ञापन में कहा गया कि देश और उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और सावन के महीने में कांवड़ियों व शिवभक्तों पर हर वर्ष हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कराई जाती है। सरकार का नारा ह्यसबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास है, इसलिए मुस्लिम समुदाय को भी सरकार से समान सम्मान की उम्मीद है। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि रमजान के पवित्र महीने में मुस्लिम समुदाय के लोग पूरे माह रोजा रखकर इबादत करते हैं और इसके बाद ईदुल फितर का त्योहार मनाते हैं। ऐसे में अलविदा जुम्मा के दिन सम्भल की शाही जामा मस्जिद और ईदुल फितर के दिन सम्भल ईदगाह पर नमाज अदा करने वाले लोगों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कराए जाने की मांग की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि शासन या प्रशासन अपने खर्च पर यह व्यवस्था नहीं कराता है तो वे स्वयं के खर्च पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कराने और पूरा खर्च उठाने को तैयार हैं, इसके लिए प्रशासन से अनुमति प्रदान करने की मांग की गई है।

ज्ञापन देने वालों में जाहिद खान, मो. शान, मौलाना नासिर, गुलाम मुस्तुफा, बिलाल खान, आरिफ खान, जबर सिंह यादव, रामरहिस यादव, गौरव, फैजान शाही, निसार सैफी, कासिम मियां, असलम और मोनिस आदि शामिल रहे।

विभिन्न वर्गों के विजेता खिलाड़ियों द्वारा जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के ट्रायल आयोजित

सम्भल(सब का सपना):- युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग द्वारा विकासखंड सम्भल की ग्राम पंचायत सिंहपुर सानी के खेल मैदान में मंगलवार को एथलेटिक्स एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं के ट्रायल आयोजित किए गए। इसमें विधानसभा सम्भल, चन्दौसी और असमोली के विधानसभा स्तर पर विजेता प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सब जूनियर बालक वर्ग में 100 मीटर दौड़ में वंश कुमार, 800 मीटर में भगत सिंह, लंबी कूद में जयंत देवल, ऊंची कूद में मोहित, जैवलिन थ्रो में अमन कुमार तथा शॉट पुट व डिस्कस थ्रो में हर्ष चौधरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सब जूनियर बालिका वर्ग में 100 मीटर दौड़ में श्रद्धा राघव, लंबी कूद में पिंकी, शॉट पुट व डिस्कस थ्रो में हंसिका चौधरी तथा जैवलिन थ्रो में तराना जहां ने प्रथम स्थान हासिल किया। जूनियर बालक वर्ग में 100 व 200 मीटर दौड़ में अभिनेश, 400 मीटर में सचिन शर्मा, 1500 मीटर में नितिन, लंबी व ऊंची कूद में डेविड, शॉट पुट में शिवम तथा डिस्कस थ्रो में रोहित शर्मा ने पहला स्थान प्राप्त किया। जूनियर बालिका वर्ग में 100 मीटर दौड़ में तनु, 800 मीटर में अदिति शर्मा, लंबी कूद में अक्षी देओल, शॉट पुट में आयुषी, डिस्कस थ्रो में आशी तथा जैवलिन थ्रो में रिशालत जेहरा विजेता रहीं। सीनियर बालक वर्ग में शॉट पुट प्रतियोगिता में रजत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सीनियर बालिका वर्ग में 100 व 200 मीटर दौड़ में भागवती, 400 मीटर में संतोष और 800 मीटर में पूजा ने पहला स्थान हासिल किया। वॉलीबॉल के सब जूनियर वर्ग में विधानसभा असमोली की टीम विजेता रही।

प्रतियोगिता के दौरान क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी जगजीत सिंह, चित्रवीर सिंह, संजू रानी, कुश्ती संघ के सचिव आर्य भोले सिंह, खेलो इंडिया कोच नकुल तथा एथलेटिक्स कोच प्रदीप चौधरी मौजूद रहे। प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी अब जिला स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान चलाकर, धूम्रपान के प्रति लोगों को किया जागरूक

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एस.एम. कॉलेज, चंदौसी के तत्वावधान में मंगलवार को कौशल विकास हेतु युवा शीर्षक के अंतर्गत आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का पांचवां दिन ग्राम देवरखेड़ा स्थित राजेश कुमार सरस्वती विद्या मंदिर में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विशेष कुमार पांडेय के संयोजन में संपन्न हुआ। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने सबसे पहले शिविर स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाया। इसके बाद गांव में रैली निकालकर ग्रामीणों को धूम्रपान न करने के लिए जागरूक किया। रैली के उपरांत स्वयंसेवकों ने धूम्रपान को मानव प्रकृति के विरुद्ध बताते हुए अपने विचार व्यक्त किए और धूम्रपान न करने तथा दूसरों को भी इससे दूर रखने की प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में वन एवं वन्य जीव संरक्षण विषय पर प्रभागीय वन विभाग अधिकारी प्रभात कुमार ने स्वयंसेवकों को संबोधित किया। उन्होंने युवाओं को जीवन को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही वानिकी के विभिन्न स्वरूपों से परिचित कराते हुए वानिकी क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसरों की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से विद्यार्थी अपने चरित्र और व्यक्तित्व का समग्र विकास कर सकते हैं। शिक्षाविद् शरद शर्मा ने कहा कि जीवन, जीव और वन एक संतुलित प्रणाली का हिस्सा हैं। इनमें से किसी एक के संतुलन में कमी आने पर पूरी व्यवस्था प्रभावित होती है।

वहीं बहजोई से आए सर्प विशेषज्ञ गुरप्रीत सिंह ने पर्यावरण संतुलन में सांपों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सर्प किसान के मित्र होते हैं, इसलिए उन्हें शत्रु की तरह नहीं देखना चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में तरुण चौहान, विकास, विशाल श्रीवास्तव, सुरेश और जितेंद्र कुमार का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार के लिए वाहन को दिखाई हरी झंडी

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 14 मार्च के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए बुधवार सुबह 10 बजे जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संभल, चंदौसी डॉ. विदुषी सिंह ने प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस प्रचार वाहन ने शहर के विभिन्न आवासीय क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को 14 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जागरूक किया, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें और अपने मामलों का आपसी समझौते के आधार पर निस्तारण करा सकें। इस अवसर पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चंदौसी आरती फौजदार, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट रागिनी, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट अवधेश कुमार सिंह, प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दीपक कुमार जायसवाल, सिविल जज (सीडी) एवं एसीजेएम आदित्य सिंह, सिविल जज (सीडी) एवं एसीजेएम पराग यादव, एसीजेएम नावेद अख्तर, सिविल जज (जूडि.) दिव्या गर्ग और न्यायिक मजिस्ट्रेट दिव्या चिंडालिया मौजूद रहे। कार्यक्रम में बार एसोसिएशन चंदौसी के अध्यक्ष विनोद सिंह, सचिव तीरथ यादव सहित अन्य अधिवक्ता एवं न्यायिक अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जलभराव में रिक्शा पलटने से व्यक्ति की दर्दनाक मौत, नगर पालिका की लापरवाही पर उठे सवाल

हादसा सीसीटीवी में कैद, लोगों का सड़क सुधार की मांग को लेकर फूटा आक्रोश

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- शहर के सीकरी गेट क्षेत्र में नगर पालिका की लापरवाही के चलते बुधवार सुबह एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। सलीम की पुलिया के पास बने गड्ढे में रिक्शा पलटने से रिक्शा चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। वहीं, यह पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिससे हादसे की भयावहता और नगर पालिका की अनदेखी उजागर हो गई है। घटना के अनुसार रिक्शा चालक सुबह लगभग 9 बजे अपने रिक्शा में सामान लेकर जा रहा था। सीकरी गेट स्थित सलीम की पुलिया के पास भारी जलभराव के कारण सड़क पर बने गड्ढे का पता नहीं चल पाया। इसी दौरान रिक्शा अचानक उस गड्ढे में जा गिरा। गड्ढे में गिरने के कारण चालक भी रिक्शा के नीचे दब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने हादसे के बाद नगर पालिका की अनदेखी और खराब सड़क व्यवस्था पर नाराजगी जताई। कई लोगों ने कहा कि वर्षा के दौरान पुलिया और सड़क के पास पानी भरना आम समस्या है, जिससे रोजमर्रा के यातायात में लोगों के लिए खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने नगर पालिका से तत्काल सड़क और पुलिया की मरम्मत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी कब्जे में ले लिए हैं, जिससे हादसे के कारणों और जिम्मेदार पक्ष की पहचान की जा सके। लेकिन यह घटना लोगों में भारी आक्रोश पैदा कर चुकी है और सोशल मीडिया पर भी हादसे की वीडियो और तस्वीरें वायरल हो रही हैं। स्थानीय लोग चेतावनी दे रहे हैं कि अगर पुलिया और सड़क की मरम्मत नहीं की गई तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। हादसे ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि शहर में जलभराव और सड़क की खराब स्थिति सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन गई है। इस हादसे ने नगर पालिका और प्रशासन के प्रति लोगों के भरोसे को भी झकझोर दिया है।

ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक आयोजित, बाल सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर हुई चर्चा

जुनावई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में बुधवार को विकास खंड जुनावई सभागार में ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी लक्ष्मीना देवी ने की। बैठक में बच्चों को सुरक्षित एवं संरक्षणात्मक वातावरण में पालन-पोषण देने, बाल श्रम, बाल तस्करी, बाल विवाह की रोकथाम, परिवार की देखरेख, हिंसा व दुर्व्यवहार से बचाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। साथ ही किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम-2015 तथा बाल संरक्षण एवं कल्याण से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई और आंगनबाड़ी कार्यकताओं के सहयोग से इन योजनाओं की नियमित समीक्षा करने पर जोर दिया गया। संरक्षण अधिकारी तेजपाल सिंह ने सरकार द्वारा बच्चों और छात्राओं के हित में चलाई जा रही योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, स्पॉन्सरशिप योजना तथा बाल विवाह और बाल श्रम रोकथाम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने आपात स्थिति में उपयोग किए जाने वाले हेल्पलाइन नंबर 1098, 181, 112 और 1076 के बारे में भी बताया। सहायक विकास अधिकारी कुलदीप सिंह ने सभी ग्राम पंचायत सचिवों को निर्देश देते हुए कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर होने वाली बैठकों में सभी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में शिक्षा विभाग से देवेश कुमार, स्वास्थ्य विभाग से डॉ. सौरभ सेंगर, वेदप्रकाश, रिंकू सिंह और आदेश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

14 मार्च राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर बैठक आयोजित

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन और व्यापक प्रचार-प्रसार को लेकर बुधवार को एक बैठक आयोजित की गई। जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार यह बैठक चंदौसी स्थित विश्राम कक्ष में प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दीपक कुमार जायसवाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जिला सूचना अधिकारी ब्रजेश कुमार तथा जनपद सम्भल के विभिन्न पत्रकार मौजूद रहे। प्रभारी सचिव ने बताया कि 14 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए उसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना आवश्यक है, ताकि अधिक से अधिक वादकारी इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने पत्रकारों से अपील की कि राष्ट्रीय लोक अदालत से संबंधित सूचनाओं और बैठकों की विज्ञप्तियों को समय-समय पर प्रकाशित किया जाए, जिससे लोगों को इसकी जानकारी मिल सके। उन्होंने बताया कि वादकारियों और संबंधित अधिकारियों के साथ भी समय-समय पर बैठकें आयोजित की जाएंगी, ताकि लोक अदालत के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। प्रभारी सचिव ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न प्रकार के वादों का आपसी समझौते के आधार पर त्वरित निस्तारण किया जाता है, जिससे लोगों को सस्ता और शीघ्र न्याय मिल पाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि 14 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण कर इसे सफल बनाया जाएगा।

अवैध संबंधों के शक में युवक को उतारा था मौत के घाट,तीन,आरोपी गिरफ्तार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के थाना कुढ़फतेहगढ़ क्षेत्र में एक युवक की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मिडिया को जानकारी देते हुए बताया 7 मार्च को थाना कुढ़फतेहगढ़ पुलिस को सूचना मिली कि बलकरनपुर गांव में एक युवक का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उच्चाधिकारियों को अवगत कराया। इसके बाद पुलिस अधिकारियों ने मौके का मुआयना किया। जांच में मृतक की पहचान बॉबी (20) के रूप में हुई। मृतक के भाई बलबीर ने थाना कुढ़फतेहगढ़ में नामदर्ज तहरीर देते हुए बताया था कि मेरे भाई कि कुछ लोगों के द्वारा हत्या की गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की और मृतक के परिजनों सहित कई लोगों से पूछताछ की। इस दौरान पुलिस की जांच में सामने आया कि नेपाल नामक व्यक्ति की पुत्री से मृतक बॉबी के अवैध संबंध थे। इसी बात से नाराज होकर पांच लोगों ने मिलकर बॉबी को बुलाया और कुल्हाड़ी से हमला कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इस मामले में तीन आरोपियों को घटना में प्रयुक्त उपकरण सहित गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों में, जसराज उर्फ तुल्लन पुत्र छोटे लाल (26) नत्थू पुत्र रामस्वरूप(72) हरपाल पुत्र छोटेलाल (32) शामिल हैं।वहीं दो अन्य आरोपी ,नेपाल पुत्र छोटे लाल,तेजपाल पुत्र रामस्वरूप की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बछरायूं में खनन माफियाओं के हौंसले बुलंद,प्रशासन की नाक के नीचे धड़ल्ले से गुजर रहीं खनन की ट्रालियां,प्रशासन मौन

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र के थाना बछरायूं में खनन का कारोबार प्रशासन की नाक के नीचे धड़ल्ले से चल रहा है। ऐसे मानो कि खनन माफियाओं को पुलिस या प्रशासन का कोई डर ही नहीं रहा हो, खनन माफिया अपने खनन के काले कारोबार को दिन रात बेखौफ होकर ऐसे करते दिखाई दे रहे हैं कि मानो प्रशासन भी इसमें संलिप्त दिखाई दे रहा हो। खनन के कारोबार का ऐसा ही एक मामला बुधवार को मंडी धनौरा तहसील के थाना बछरायूं का सामने आया है जहां खनन माफिया खनन से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली पुलिस प्रशासन की नाक के नीचे से बेखौफ होकर ले जाते हुए दिखाई दिए। उन्हें देखकर ऐसा लग रहा था कि मानो उन्हें शासन प्रशासन का किसी तरह का कोई खौफ ही ना हो। वहीं इस मामले की सूचना जब सबका सपना टीम को लगी तो संस्था की टीम ने ग्राउंड जीरो पर जाकर मामले की पड़ताल करनी चाही लेकिन खनन माफिया को इसकी सूचना पहले ही से मिल जाने कारण खनन माफियाओं ने खनन बंद कर दिया और खनन करने वाली मशीन एवं ट्रैक्टर ट्रॉलियों को किसी गुप्त जगह छुपा दिया। इसके बाद टीम ने यह जानकारी करने की कोशिश की कि यह खनन किसके द्वारा किया जा रहा है तो पता चला कि यह खनन बछरायूं निवासी राजा एवं उसके एक अज्ञात साथी के द्वारा कराया जा रहा था जो आपस में साझेदार होकर खनन का काला कारोबार धड़ल्ले से चलाते हैं। इस बारे में जब खनन माफिया राजा से बात की गई तो उन्होंने कहा कि बछरायूं में चलने वाले खनन के ट्रैक्टर ट्राली उसी के हैं और जब उससे पूछा गया कि इसकी परमिशन है या नहीं तो उसने परमिशन के बारे में दूसरे व्यक्ति पर बात टाल दी। वहीं इस बारे में खनन इंस्पेक्टर अमरोहा से बात की गई तो उन्होंने कहा कि बछरायूं में होने वाले इस खनन के बारे में कोई मामला उनके संज्ञान में नहीं है उन्होंने कहा कि यदि ऐसा है तो मामले की जांच की जाएगी और आवश्यक कार्यवाही भी अम्ल में लाई जाएगी।

नजीबाबाद में आवारा कुत्ते का हमला, ट्यूशन जा रही छात्रा घायल

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- आवारा कुत्तों के आतंक का एक और मामला सामने आया है। जहां नजीबाबाद नगर के मोहल्ला रमपुरा में ट्यूशन पढ़ने जा रही एक छात्रा पर अचानक आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया और स्थानीय लोगों ने नगर पालिका से कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार मोहल्ला रमपुरा निवासी मेहताब की बेटी मोहल्ला दरोगरान में ट्यूशन पढ़ने के लिए जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में एक आवारा कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया और कई जगह काट लिया। अचानक हुए हमले से छात्रा घबरा गई और दर्द से चीखने लगी। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह कुत्ते को भगाकर छात्रा को बचाया। घटना के तुरंत बाद परिजन घायल छात्रा को उपचार के लिए नजीबाबाद स्थित पूजा हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां उसका प्राथमिक उपचार कराया गया। बताया जा रहा है कि कुत्ते के काटने से छात्रा के शरीर पर कई जगह घाव हो गए हैं। इस घटना के बाद मोहल्ले के लोगों में डर और नाराजगी का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है और कई बार लोग इनके हमलों का शिकार हो चुके हैं। इसके बावजूद समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। मोहल्लावासियों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि इलाके में घूम रहे आवारा कुत्तों को पकड़वाकर लोगों को राहत दिलाई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों।

लाठी-डंडों से हमला करने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर (सब का सपना):- थाना स्योहारा पुलिस ने जानलेवा हमले के एक मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त डंडे भी बरामद किए हैं। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार 11 मार्च को एक महिला ने थाना स्योहारा में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि ग्राम पौटा निवासी अशु, पुष्पेंद्र और महीपाल सिंह ने उसके पति रूप सिंह पर लाठी-डंडों और लकड़ी काटने वाली आरी से जान से मारने की नीयत से हमला किया। इस हमले में रूप सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। महिला की तहरीर के आधार पर थाना स्योहारा में मुकदमा बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। इसी क्रम में स्योहारा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपी अंशु पुत्र महीपाल सिंह और महीपाल सिंह पुत्र कल्लू सिंह निवासी ग्राम पौटा थाना नूरपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त तीन डंडे भी बरामद किए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य आवश्यक कार्रवाई जारी है और फरार आरोपी की तलाश भी की जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई से कोतवाली देहात क्षेत्र में हड़कंप, कई अस्पताल व ओटी सील

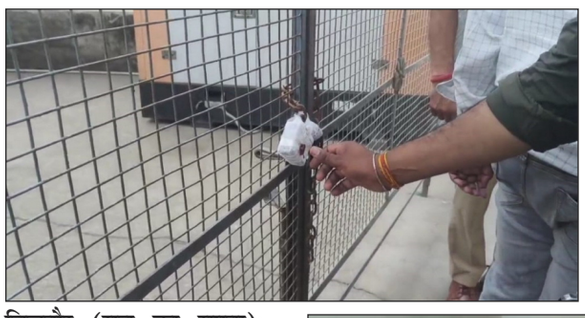

बिजनौर (सब का सपना):- स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कोतवाली देहात क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित अस्पतालों और ऑपरेशन थिएटरों के खिलाफ अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान कई अस्पतालों और ओटी को सील कर दिया गया, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य विभाग की टीम जब कार्रवाई के लिए पहुंची तो कुछ स्थानों पर मौजूद डॉक्टर मौके से फरार हो गए। टीम ने जांच के दौरान आवश्यक मानक और दस्तावेज पूरे न मिलने पर कार्रवाई करते हुए अस्पतालों को सील कर दिया। इस कार्रवाई के दौरान चचाओं में रहने वाला जफर हॉस्पिटल भी एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग के निशाने पर आया और उसे सील कर दिया गया।

स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध रूप से प्रैक्टिस करने वाले झोलाछाप डॉक्टरों में भी हड़कंप मचा हुआ है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि बिना मानक और अनुमति के संचालित अस्पतालों तथा क्लीनिकों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा।

गृह क्लेश में बच्चों के साथ खुदखुशी करने जा रही महिला के लिए वरदान बनी वन स्टॉप सेंटर की टीम

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में घरेलू हिंसा का दर्दनाक मामला 10 मार्च को जिला अमरोहा के बासखेड़ी निवासी प्रार्थनी रिंकी ने अपने तीन छोटे बच्चों के साथ रेलवे लाइन के पास आत्महत्या करने का प्रयास किया। यह दृश्य दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग के कर्मचारी नूर ने देखा, जिन्होंने तुरंत सूचना देकर वन स्टॉप सेंटर (डरउ) को अवगत कराया। डरउ के नरेंद्रपाल ने पीड़िता को सेंटर पर सुरक्षित पहुंचाया। वन स्टॉप सेंटर की टीम ने रिंकी से बातचीत की, जहां उसने बताया कि पति नियमित रूप से मारपीट करता है, उसकी कोई बात नहीं सुनता और अब उसके पास कोई सहारा नहीं बचा है। गुस्से में वह घर से निकल आई थी। टीम ने उसे सांत्वना दी और कहा कि हम आपके साथ हैं। बाद में पति और ससुराल वालों को बुलाया गया। लंबी काउंसलिंग के बाद दोनों पक्षों को समझा-बुझाया गया। अंततः रिंकी को पति के साथ सुपुर्द कर घर भेज दिया गया। यह घटना घरेलू हिंसा और मानसिक तनाव के गंभीर परिणामों को दशार्ती है, जहां समय पर हस्तक्षेप और काउंसलिंग ने एक संभावित त्रासदी को टाल दिया।

आगामी उप निरीक्षक भर्ती की लिखित परीक्षा के संबंध में बैठक आयोजित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार की अध्यक्षता में आगामी उप निरीक्षक भर्ती की लिखित परीक्षा के संबंध में बैठक आयोजित की गई। भर्ती लिखित परीक्षा को सकुशल एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद के अधिकारियों के साथ परीक्षा की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था, परीक्षा केंद्रों की निगरानी तथा अभ्यर्थियों की सुविधाओं को लेकर चर्चा की गई। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाए तथा परीक्षा केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जाए। इसके साथ ही परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करने और यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा परीक्षा को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने पर जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह, अपर जिलाधिकारी सम्भल, क्षेत्राधिकारी चन्दौसी दीपक कुमार आदि पुलिस व सम्बन्धित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहें ।

21वे रमजान पर अकीदतमंदों ने मौला अली को किया याद

संभल(सब का सपना):- जनपद के मण्डी, किशनदास सराय पर हर साल की तरह इस साल भी इमामबारगाह में मौला अली इब्ने अबू तालिब अलैहिस्सलाम की शहादत के मौके पर न्याज नजर का विशेष इंतजाम किया गया। 21 रमजान को इस पवित्र मौके पर अकीदतमंदों ने मौला अली की शहादत के अवसर पर उन्हें याद किया। मौलाना तनवीर हुसैन अशरफी ने अकीदतमंदों को बताया कि कैसे इस्लाम के इस महान रहबर ने इंसाफ और इंसानियत के लिए अपनी पूरी जिंदगी कुर्बान कर दी। उन्होंने मौला अली की शहादत को याद करते हुए लोगों को मुल्क में अमन-चैन, इंसाफ और भाईचारे की दुआ करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर अकीदतमंदों ने मौला अली की शहादत की याद में उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में ताहिफ अली, शमशीर अली, मुआरिफ अली, असद अली, ग्राम प्रधान सरताज हुसैन, अरशद हुसैन, मो. जुबैर, तनवीर हुसैन, रशीद हुसैन, नेता शहजाद शाहिक अली, राहिल अली, मुकीम अली, भूरा अली, मो. आलम, शाहबाज अली, खालिक अली, सलमान नबी, अब्दुल माजिद, मुराद अली, ज़िया उल हक सहित कई अकीदतमंद उपस्थित रहे। इस अवसर ने समुदाय को मौला अली के आदर्शों की याद दिलाते हुए भाईचारे, इंसाफ और धार्मिक अनुशासन के संदेश को फिर से जीवित किया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जनप्रतिनिधियों व राजनीतिक दलों के साथ की बैठक

बिजनौर (सब का सपना) उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने अपने भ्रमण कार्यक्रम के तहत कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में जनपद के विधायकों एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने जनप्रतिनिधियों की समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना तथा उनके निस्तारण का आश्वासन दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 की प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराया जा रहा है। बैठक में स्वामी ओमवेश, मनोज पारस, ओम कुमार तथा तस्लीम अहमद सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों में भाजपा से धीर सिंह, बसपा से मुहम्मद सिद्दीक, समाजवादी पार्टी से अखलाक उर्फ पप्पू तथा कांग्रेस से अनिल त्यागी मौजूद रहे। बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों ने मतदाताओं की सुविधा के लिए उनके निकटतम मतदान केंद्रों पर मतदान की व्यवस्था करने और फार्म-6 के शीघ्र निस्तारण की मांग रखी। इस पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिला प्रशासन को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो पाई है, वे निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दस्तावेजों में से कोई एक प्रमाण प्रस्तुत कर अपनी मैपिंग करा सकते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग और जिला प्रशासन की वेबसाइट पर फार्म-7 और फार्म-8 से संबंधित अद्यतन सूची भी उपलब्ध है, जिसे कभी भी देखा जा सकता है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि एसआईआर से संबंधित राज्य स्तर पर लगभग 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि जनपद बिजनौर में 92 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा किया जा चुका है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी दावे और आपत्तियों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए

बिजनौर में विशेष पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा, मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने ली बैठक

बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में ईएआरओ के साथ बैठक कर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 (एसआईआर) कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुनरीक्षण से जुड़े सभी कार्यों को गंभीरता और तेजी के साथ निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए।
बैठक के दौरान उन्होंने जनपद में एसआईआर कार्यक्रम की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि निष्पक्ष, पारदर्शी और त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने में बीएलओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्देश दिए कि मतदाता सूची शुद्धिकरण के दौरान विशेष सतर्कता बरती जाए और प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम निर्वाचक नामावली में शामिल किया जाए। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद बिजनौर की सभी विधानसभा क्षेत्रों में 8 जनवरी 2026 को प्रकाशित मतदाता सूची में कुल 23,23,160 मतदाता दर्ज हैं। इनमें 89,822 मतदाता नो मैपिंग तथा 4,88,247 मतदाता लॉजिकल डिस्क्रीपेंसी श्रेणी में पाए गए हैं। इस प्रकार कुल 5,78,069 मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए, जिनमें से 5,52,502 नोटिस बीएलओ द्वारा मतदाताओं को प्राप्त कराए जा चुके हैं। अब तक लगभग 92.91 प्रतिशत मामलों की सुनवाई पूर्ण कर ली गई है और शेष कार्य 15 मार्च 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने दयानन्द इंटर कॉलेज स्थित नोटिस सुनवाई केंद्र का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने बूथ लेवल अधिकारियों और सुपरवाइजरों से संवाद किया तथा केंद्र पर उपलब्ध सुविधाओं और शिकायत निस्तारण व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने नागरिकों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रेस प्रतिनिधियों से संवाद कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि राज्य स्तर पर एसआईआर का कार्य लगभग 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है, जबकि बिजनौर जिले में यह 92 प्रतिशत से अधिक पूर्ण हो चुका है। उन्होंने कहा कि एसआईआर कार्य में बिजनौर की उपलब्धि सराहनीय रही है। इसके बाद वीरा इंजीनियरिंग कॉलेज के ऑडिटोरियम में बीएलओ एवं सुपरवाइजरों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ और छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर एसआईआर कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 40 बीएलओ, 8 सुपरवाइजर तथा एक-एक ईआरओ व एईआरओ को प्रशस्ति पत्र और नगीना की काष्ठ कला से निर्मित घड़ी भेंट कर सम्मानित किया गया।
कार्यक्रम में जिलाधिकारी जसजीत कौर, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) वान्या सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट स्मृति मिश्रा, सहित अन्य अधिकारी, बीएलओ, सुपरवाइजर और मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे

दिल्ली के 23वें उपराज्यपाल के रूप में तरणजीत सिंह संधू ने ली शपथ, अब वीके सक्सेना होंगे लद्दाख के एलजी

नई दिल्ली। दिल्ली के नवनियुक्त उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू बुधवार को पद और गोपनीयता की शपथ ली। आधिकारिक शपथ ग्रहण समारोह दोपहर 1:30 बजे लोक निवास में आयोजित किया गया। दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय उन्हें राष्ट्रीय राजधानी के 23वें उपराज्यपाल (एलजी) के रूप में शपथ दिलाई। प्रमुख बिंदु : नियुक्ति और विदाई अनुभवी राजनयिकः संधू 1988 बैच के भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी हैं और अमेरिका मामलों के विशेषज्ञ माने जाते हैं। वीके सक्सेना का स्थानांतरणः निवर्तमान उपराज्यपाल वीके सक्सेना को लद्दाख का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। वे शुक्रवार को लद्दाख में अपना पदभार ग्रहण करेंगे। शिष्टाचार भेंटः शपथ ग्रहण से पहले, संधू ने सोमवार को लोक निवास का दौरा किया था और सक्सेना से मुलाकात भी की। मंगलवार को सीएम रेखा गुप्ता ने संधू से मुलाकात की। तरणजीत सिंह संधू का शानदार करियर तरणजीत सिंह संधू का राजनयिक करियर बेहद प्रभावशाली रहा है, विशेषकर भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने में उनकी भूमिका अहम रही हैः 63 वर्षीय संधू ने 2024 के लोकसभा चुनाव में पंजाब की अमृतसर सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था, हालांकि उन्हें वहां सफलता नहीं मिली थी।

'मेन कोर्स नहीं बनेगा', एलपीजी संकट के बीच दिल्ली हाई कोर्ट की लॉयर्स कैंटीन पर चस्पा किया नोटिस

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के कारण एलपीजी सिलेंडर की किल्लत के चलते दिल्ली हाई कोर्ट की कैंटीन ने मेन कोर्स बनाना बंद करने की घोषणा की है। बताते चलें कि हाई कोर्ट स्थित वकीलों को भोजन उपलब्ध कराने वाली कैंटीन ने आज यानी 11 मार्च को वकीलों की जानकारी के लिए कैंटीन में ही एक नोटिस लगाया है। इस नोटिस में लिखा है कि दिल्ली हाईकोर्ट वकील कैंटीन मुख्य भोजन उपलब्ध नहीं करा पाएगी। क्या लिखा है नोटिस में लॉयर्स कैंटीन के संदीप शर्मा की तरफ से जारी इस नोटिस में लिखा है, 'इस वक्त एलपीजी गैस सिलेंडर की अनुपलब्धता के चलते हमें खेद के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि लॉयर्स कैंटीन (वकीलों की कैंटीन) में मेन कोर्स नहीं बना पा रहे हैं।' इसमें आगे लिखा है, 'इस वक्त हमें ये जानकारी नहीं है कि एलपीजी सप्लाई दोबारा कब शुरू होगी। जैसे ही सिलेंडर की सप्लाई शुरू होगी हम फिर से मेन कोर्स बनाना शुरू कर देंगे।' नोटिस में आगे जानकारी दी गई है, 'अन्य फूड आइटम जैसे सैंडविच, सलाद, फ्रूट चाट और ऐसे ही अन्य रिफ्रेशमेंट्स अब भी कैंटीन में परोसे जा रहे हैं। हमें इस असुविधा के लिए खेद है और आपसे सहयोग की अपेक्षा है।'

दिल्ली पुलिस का ड्रग्स माफिया पर बड़ा प्रहार, 17 हजार किलो नशीले पदार्थ बरामद

दक्षिणी दिल्ली। राजधानी दिल्ली की पुलिस ने ड्रग्स माफिया के खिलाफ विशेष अभियान में 17 हजार किलोग्राम से ज्यादा नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। ड्रग्स माफिया के खिलाफ 5467 एफआइआर दर्ज की गई और अब तक 2640 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा ड्रग्स तस्करों की संपत्तियों को गिराने के लिए 29 संयुक्त अभियान भी चलाए। यह जानकारी मंगलवार को लोकसभा में गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी की ओर से पूछे एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी। बिधूड़ी ने पूछा था कि क्या दिल्ली पुलिस राजधानी को नशामुक्त बनाने के लिए ड्रग माफिया के खिलाफ कोई विशेष अभियान चला रही है। उन्होंने यह भी पूछा था कि इस संबंध में कितनी एफआईआर की गई, कितनी गिरफ्तारियां की गई, कितने मादक पदार्थ बरामद हुए और ड्रग माफिया की कितनी प्रापर्टी को बुलडोजर से ढहाया गया। गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने 'आपरेशन कवच' शुरू किया है। 13 मई 2023 से इस साल 23 जनवरी तक दिल्ली पुलिस ने ड्रग माफिया के खिलाफ कुल 12 ऐसे विशेष अभियान चलाए हैं। इनमें 9,694 स्थानों पर छापेमारी करके ड्रग्स बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि इन अभियानों के साथ ही दिल्ली पुलिस ने 2023 से 15 फरवरी 2026 तक ड्रग्स से संबंधित कुल मिलाकर 5,467 एफआइआर दर्ज की हैं और 7,134 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान 17,435 किलोग्राम नशीले पदार्थ पकड़े गए, जिनमें चरस, अफीम, गांजा, स्मैक, हेरोइन, खसखस और कोकीन आदि शामिल हैं। बिधूड़ी के सवाल के जवाब में गृह राज्यमंत्री ने यह भी बताया कि दिल्ली पुलिस ने इस दौरान ड्रग्स माफिया की कोई प्रापर्टी तो जब्त नहीं की लेकिन स्थानीय निकायों के साथ मिलकर ड्रग्स तस्करों की संपत्तियों को ढहाने के लिए 29 संयुक्त अभियान चलाए हैं।

हस्तसाल पुनर्वासित कॉलोनी में अवैध निमार्णों पर निगम का एक्शन जारी, कई घरों को नोटिस

पश्चिमी दिल्ली। उत्तम नगर थाना क्षेत्र स्थित हस्तसाल पुनर्वासित कॉलोनी के ऐसे घर जहां नियमों को ताक पर रखकर विस्तार किया गया है, उस पर निगम का हथौड़ा चल रहा है। इसकी शुरूआत आठ मार्च को तरुण हत्याकांड से जुड़े मुख्य आरोपित के घर से हुई थी। पुलिस की मौजूदगी में निगम दस्ते ने आरोपित की इमारत के अवैध हिस्से को ढहा दिया। निगम अधिकारी इसे रूटीन की कार्रवाई बताते हुए कहते हैं कि यह सिलसिला अभी जारी रहेगा। हमलोगों ने सर्वे का ऐसे संपत्ति मालिकों को नोटिस भेजने का काम शुरू कर दिया है। नोटिस जारी होने के बाद ध्वस्त करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। तीन इमारतों को भेजा गया नोटिस निगम ने फिलहाल तीन इमारतों को चिन्हित किया है। नोटिस में बताया गया है कि इमारत में कहां और किस हिस्से का अवैध विस्तार किया गया है। सूत्रों का कहना है कि तीनों ही इमारत उसी ब्लाक के हैं, जिसमें तरुण का घर है। सीलिंग की भी हो रही कार्रवाई निगम ने ऐसी इमारतों को सील करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है, जिसमें अवैध रूप से रंगाई का काम होता है। निगम अधिकारियों का कहना है कि ए ब्लॉक में तीन संपतियों को सील किया गया है। तीनों ही जगह रंगाई का अवैध काम होता था।

सृजन साहित्य संवाद द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन का समापन सफलतापूर्वक सम्पन्न

नई दिल्ली (सब का सपना):- स्त्री शिक्षा, सामाजिक न्याय और समानता की प्रबल आवाज रही क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले के स्मृति दिवस के अवसर पर साहित्यिक संस्था सृजन साहित्य संवाद द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन स्मृति और संघर्ष : सावित्रीबाई फुले का समापन अत्यंत सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह सम्मेलन 9 मार्च से 11 मार्च 2026 तक ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया, जिसमें देशभर के साहित्यकारों, शिक्षाविदों, सामाजिक चिंतकों और रचनाकारों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य केवल सावित्रीबाई फुले को स्मरण करना ही नहीं था, बल्कि उनके शिक्षा, समानता और स्त्री मुक्ति से जुड़े विचारों को समकालीन सामाजिक संदर्भों में पुनः समझना और समाज तक पहुँचाना भी था। तीन दिनों तक चले इस सम्मेलन में स्त्री अस्मिता, सामाजिक न्याय, शिक्षा के अधिकार, दलित-स्त्री विमर्श तथा वर्तमान समय की चुनौतियों जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर और सार्थक चर्चा हुई। सम्मेलन के दूसरे दिन मंगलवार को विभिन्न सत्रों के माध्यम से वक्ताओं ने सावित्रीबाई फुले के संघर्षपूर्ण जीवन, उनके शैक्षिक आंदोलन और स्त्री अधिकारों के लिए किए गए ऐतिहासिक प्रयासों को विस्तार से प्रस्तुत किया। वक्ताओं ने बताया कि सावित्रीबाई फुले ने ऐसे समय में स्त्री शिक्षा की अलख जगाई जब समाज में महिलाओं को शिक्षा से वंचित रखा जाता था। उन्होंने अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर न केवल भारत का पहला बालिका विद्यालय स्थापित किया बल्कि सामाजिक रूढ़ियों और भेदभावपूर्ण व्यवस्थाओं के विरुद्ध साहसपूर्वक संघर्ष भी किया।सम्मेलन

के अंतिम दिन, 11 मार्च को शाम 7 बजे सावित्रीबाई फुले की स्मृति को समर्पित एक विशेष परिचर्चा सत्र का आयोजन किया गया। इस परिचर्चा का विषय सावित्रीबाई फुले और स्त्री मुक्ति का सवाल रखा गया था। इस सत्र में देश के विभिन्न राज्यों से आईं प्रबुद्ध वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए और सावित्रीबाई फुले के योगदान को समकालीन स्त्री विमर्श के संदर्भ में रेखांकित किया ।इस अवसर पर कुसुम त्रिपाठी (मुंबई), कल्याणी ठाकुर (बंगाल), प्रो. रेखा रानी (हैदराबाद), भाषा सिंह तथा रजनी अनुरागी (दिल्ली) सहित कई प्रमुख वक्ताओं ने अपने विद्वतापूर्ण वक्तव्यों के माध्यम से स्त्री अस्मिता, समानता, शिक्षा के अधिकार और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों पर गंभीर विचार रखे। वक्ताओं ने इस बात पर बल दिया कि सावित्रीबाई फुले का संघर्ष केवल अपने समय तक सीमित नहीं था, बल्कि आज भी उनके विचार समाज को नई दिशा देने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आज के दौर में जब स्त्री अधिकारों और समानता की लड़ाई कई स्तरों पर जारी है, तब सावित्रीबाई फुले के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो उठते हैं। कार्यक्रम की संयोजिका अनिता भारती ने सम्मेलन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सावित्रीबाई फुले ने अपने जीवन के माध्यम से यह सिद्ध किया कि शिक्षा ही सामाजिक परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि हम उनके विचारों को केवल स्मरण करने तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें अपने सामाजिक व्यवहार और चिंतन में भी शामिल करें। उन्होंने यह भी बताया कि तीन दिनों तक चले इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से साहित्य और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी अनेक महिलाओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा करते हुए स्त्री शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के प्रश्नों पर गहन चर्चा की और एक समतामूलक समाज के निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। यह पूरा सम्मेलन ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया और इसे फेसबुक लाइव के माध्यम से प्रसारित किया गया, जिससे देश के विभिन्न हिस्सों में बैठे लोग भी इस महत्वपूर्ण विचार-विमर्श से जुड़ सके। बड़ी संख्या में दर्शकों ने लाइव प्रसारण के माध्यम से कार्यक्रम को देखा और अपनी प्रतिक्रियाएँ भी साझा कीं। सम्मेलन के समापन सत्र में वक्ताओं ने सावित्रीबाई फुले के जीवन और संघर्ष से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए कहा कि सामाजिक परिवर्तन की राह में शिक्षा, समानता और मानवीय मूल्यों को केंद्र में रखना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया।

दुषित पानी को लेकर भाकियू संयुक्त मोर्चा का धरना प्रदर्शन 81वें दिन भी जारी

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला में भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा का दूषित पानी की समस्या को लेकर धरना 81वें दिन भी जारी रहा। यह धरना नाईपुरा और सहवाजपुर डोर गांवों में NH-9 के किनारे चल रहा है। किसानों में पानी के नमूनों की रिपोर्ट सार्वजनिक न होने को लेकर आक्रोश है। बता दें कि धरने पर पहुंचे भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी ने बताया कि अधिकारियों द्वारा 70 दिन पहले लिए गए पानी में नमूनों

की रिपोर्ट अब तक जारी नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट सार्वजनिक न होने से क्षेत्र के किसानों में रोष व्याप्त है।इस मुद्दे पर गजरौला क्षेत्र के किसान 15 तारीख को होने वाली महापंचायत के लिए गांव-गांव जाकर किसानों को एकजुट कर रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी ने इस पंचायत को 'निर्णायक' बताया और कहा कि किसानों के सामने 'करो या मरो' की स्थिति आ गई है।इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण चौहान, मंडल अध्यक्ष अहसान अली, नवनियुक्त ग्राम अध्यक्ष मुन्नी देवी, ग्राम उपाध्यक्ष सूरजमुखी, शीला देवी, नूरजहाँ, कृष्णा, नन्नू सैफी, होमपाल, गंगाराम, पर्थी, मंसूर अली, राम प्रसाद, प्रेम, तेजपाल, अदनान अली, अशद अली सहित कई अन्य किसान मौजूद रहे।

चिराग दिल्ली में पूर्व निगम पार्षद के घर में लगी आग, तीन वर्षीय पौत्र समेत दो को वक्त रहते बचाया

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के चिराग दिल्ली इलाके में बुधवार सुबह एक घर में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग पूर्व निगम पार्षद राकेश गुलिया के घर में लगी, जहां उस समय वैवाहिक कार्यक्रम की तैयारियां चल रही थीं। जानकारी के अनुसार, चिराग दिल्ली स्थित हनुमान रोड पर बने मकान में अचानक आग भड़क उठी। आग लगते ही घर में मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। दमकलकर्मियों ने आग की तेज लपटों के बीच फंसे राकेश गुलिया और उनके तीन वर्षीय पौत्र को सुरक्षित बाहर निकाला। दोनों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों को उपचार के लिए सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। काफी मशक्कत के बाद दमकल टीम ने आग पर काबू पा लिया। शुरूआती जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। हालांकि, मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

दिल्ली में सीबीएसई मूल्यांकन बाधित, अतिथि शिक्षकों को रिलीव नहीं कर रहे स्कूल

नई दिल्ली। राजधानी के सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्यों द्वारा शिक्षकों को नहीं रिलीव किए जाने से अब केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य में बाधा हो रही है। स्कूल कई अतिथि और संविदा शिक्षकों को मूल्यांकन कार्य के लिए रिलीव नहीं कर रहे हैं। इस संबंध में सीबीएसई के दिल्ली पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय की गोपनीय शाखा ने दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग के उप शिक्षा निदेशक (डीडीई) को पत्र भेजकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। सीबीएसई की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि मुख्य नोडल सुपरवाइजर और प्रधान परीक्षक की

ओर से लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि दिल्ली सरकार के स्कूलों में कार्यरत अतिथि और संविदा शिक्षकों को मूल्यांकन कार्य के लिए रिलीव नहीं किया जा रहा है। इससे उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। वहीं, स्कूल प्रशासन इस मामले में शिक्षा निदेशालय के 21 अक्टूबर 2024 के एक सर्कुलर का हवाला दे रहे हैं, जिसमें अतिथि शिक्षकों को मूल्यांकन या सीबीएसई से जुड़े कार्यों के लिए रिलीव न करने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि, सीबीएसई के अधिकारियों का मानना है कि अतिथि और संविदा शिक्षक पूरे साल नियमित शिक्षकों की कमी या उनके स्थान पर छात्रों को पढ़ाते हैं और किसी विषय की पढ़ाई की पूरी जिम्मेदारी निभाते हैं। ऐसे में उन्हें मूल्यांकन कार्य के लिए रिलीव न करना उचित नहीं है। सीबीएसई ने अपने पत्र में शिक्षा विभाग से अनुरोध किया है कि दिल्ली सरकार के सभी स्कूलों को तुरंत निर्देश दिए जाएं कि जिन अतिथि, संविदा या नियमित शिक्षकों को सीबीएसई बोर्ड परीक्षा के मूल्यांकन कार्य के लिए प्रधान परीक्षक या परीक्षक नियुक्त किया गया है, उन्हें तुरंत रिलीव किया जाए ताकि उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन समय पर पूरा हो सके।

उत्तम नगर हत्याकांड: घर गिराए जाने के डर से कोर्ट पहुंचे आरोपी, दिल्ली एचसी ने कहा- बेहतर याचिका दाखिल करें

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को उत्तम नगर होली हिंसा मामले में आरोपियों के स्वजन की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि वे एमसीडी के बुलडोजर एक्शन के खिलाफ बेहतर और स्पष्ट याचिका दाखिल करें। न्यायमूर्ति अमित बंसल की पीठ ने कहा कि मौजूदा याचिकाओं में आरोप अस्पष्ट हैं और इनमें अलग-अलग मुद्दों को एक साथ जोड़ दिया गया है। पुलिस सुरक्षा की मांग को बताया अलग मुद्दा सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि याचिका में एमसीडी की ओर से कथित तौर पर अवैध और मनमाने तरीके से घर गिराने से रोकने के अलावा पुलिस सुरक्षा की भी मांग की गई है, जो पूरी तरह अलग मामला है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उसका अधिकार क्षेत्र अवैध निर्माण, अतिक्रमण और ध्वस्तीकरण से जुड़े मामलों तक सीमित है। पुलिस सुरक्षा की मांग इस

दायरे में नहीं आती है। याचिका वापस लेने की अनुमति दी याचिकाकाताओं के वकील ने अदालत से याचिका वापस लेने और बेहतर विवरण के साथ नई याचिका दाखिल करने की अनुमति मांगी। अदालत ने इसे स्वीकार कर लिया। इसके साथ ही कहा कि याचिका में किए गए आरोप अस्पष्ट हैं और अलग-अलग कारणों को एक साथ जोड़ दिया गया है। इसलिए याचिका को वापस लेने की अनुमति दी जाती है और एक सप्ताह के भीतर बेहतर याचिका दाखिल करने की छूट दी जाती है। एमसीडी ने कार्रवाई न करने का दिया आश्वासन हालांकि अदालत ने ध्वस्तीकरण पर कोई अंतरिम आदेश नहीं दिया, लेकिन नगर निगम (एमसीडी) के वकील ने आश्वासन दिया कि अदालत के समक्ष लंबित इन संपत्तियों के खिलाफ फिलहाल कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। मंगलवार को कोर्ट ने दिया था मौखिक निर्देश इससे पहले मंगलवार को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने एमसीडी से कहा था कि होली के दौरान उत्तम नगर में हुई हिंसा और एक व्यक्ति की मौत के मामले में नामजद दो आरोपियों की संपत्तियों पर अगले दिन तक कोई कार्रवाई न की जाए। दिल्ली पुलिस ने याचिका पर उठाए सवाल दिल्ली पुलिस की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने अदालत में दलील दी कि याचिका केवल ध्वस्तीकरण की आशंका के आधार पर दायर की गई है। उन्होंने कहा कि यदि हत्या जैसी गंभीर घटना हुई है तो उसकी जांच होना जरूरी है और किसी अन्य व्यक्ति की संपत्ति के मुद्दे को लेकर दायर याचिका के जरिए जांच को प्रभावित नहीं किया जा सकता है। गौरतलब है कि उत्तम नगर में होली का गुब्बारा गिरने पर पानी की छींटे पड़ने पर विवाद हो गया था। जिस पर 28 वर्षीय तरुण की हत्या कर दी गई थी।

निहाल विहार सड़क हादसा: कानून हाथ में लेने वालों पर कसा शिकंजा, बस में आग लगाने वाला समेत तीन गिरफ्तार

पश्चिमी दिल्ली। निहाल विहार थाना क्षेत्र में नजफगढ़-नांगलोई रोड पर हुए भीषण बस हादसे के बाद बसों में तोड़फोड़ और आगजनी करने वालों पर अब पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पुलिस ने बस में आग लगाने वाले मुख्य आरोपित समेत तीन उपद्रवियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि चार अन्य की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है। बाहरी जिला के उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि घटना के बाद मौके से मिले सीसीटीवी फुटेज और वायरल वीडियो का विश्लेषण किया गया, जिसके आधार पर सात उपद्रवियों की पहचान की गई है। इनमें से बस में आग लगाने वाले मुख्य आरोपित और पत्थरबाजी करने वाले दो अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया है। शेष चार आरोपितों की तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं और उन्हें जल्द गिरफ्तार किए जाने की संभावना है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान 45 वर्षीय नवलेश के रूप में हुई है, जिसने पेट्रोल में भीगा कपड़ा डालकर बस में आग लगा दी थी। वह निहाल विहार के शिवराम पार्क का निवासी है और मूल रूप से बिहार का रहने वाला है। इसके अलावा 19 वर्षीय अनुराग राय, निवासी नांगलोई और सीपू, निवासी नजफगढ़ को भी गिरफ्तार किया गया है। तीनों आरोपित आसपास की कंपनियों में काम करते हैं। गौरतलब है कि सोमवार सुबह करीब 9:45 बजे एक तेज रफ्तार क्लस्टर बस बेकाबू हो गई और पीछे से स्कूटी व मोटरसाइकिल को टक्कर मारते हुए कई वाहनों को रौंदती चली गई। हादसे में निहाल विहार निवासी रविकांत शर्मा (32) और शिवराम पार्क निवासी कमलजीत (39) की मौत हो गई थी। रविकांत स्कूटी पर जबकि कमलजीत मोटरसाइकिल पर सवार थे। घायलों में अमन (23) और रूबी (20) शामिल हैं, जो शिवराम पार्क, नांगलोई के रहने वाले हैं और मोटर पार्ट्स कंपनी के सेल्स विभाग में काम करते हैं। दोनों सोमवार सुबह मोटरसाइकिल से कार्यालय जा रहे थे, तभी बस की चपेट में आ गए। हादसे में रूबी के सिर और आंख के पास चोट लगी है। हादसे के बाद मौके पर करीब 500 लोगों की भीड़ जमा हो गई और आक्रोशित लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। इसी भीड़ में आरोपित भी थे, जिन्होंने इसका फायदा उठाकर पहले बसों में तोड़फोड़ की और इसी दौरान मुख्य आरोपित नवलेश अपने साथ पेट्रोल से भींगा हुआ कपड़ा ले आया और बस में डालकर उसमें आग लगा दी थी। गनीमत रही थी कि आग के फैलने से पहले ही फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया था।

अमरोहा पुलिस के चार सौ कर्मियों को दिया गया बेसिक कंप्यूटर प्रशिक्षण

डिडौली आरटीसी सेंटर में पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

अमरोहा(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में जनपद पुलिस को आधुनिक तकनीक के अनुरूप दक्ष बनाने के उद्देश्य से आरटीसी सेंटर डिडौली में आयोजित बेसिक कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। यह प्रशिक्षण 7 मार्च से 11 मार्च तक आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद अमरोहा के 200 रिक्रूट आरक्षियों तथा थानों और कार्यालयों में नियुक्त 200 पुलिस कर्मियों सहित कुल 400

पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कंप्यूटर के आधारभूत संचालन के साथ-साथ एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल, इंटरनेट और ई-मेल के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा पुलिस विभाग में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न ऑनलाइन पोर्टल और

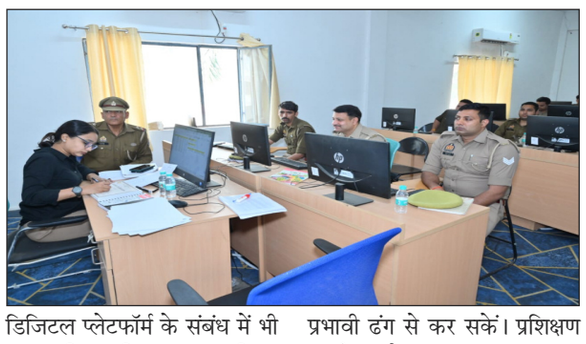

डिजिटल प्लेटफॉर्म के संबंध में भी व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे पुलिसकर्मी तकनीक के माध्यम से अपने कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से कर सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर कोर्स सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले सभी 400 पुलिस कर्मियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से जनपद पुलिस को डिजिटल पुलिसिंग के क्षेत्र में और अधिक सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। पुलिस विभाग का मानना है कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से पुलिसकर्मियों की कार्यक्षमता बढ़ेगी और आमजन से जुड़े मामलों के निस्तारण में तेजी आएगी, जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली और अधिक प्रभावी व पारदर्शी बनेगी

चिलचिलाती गर्मी ने कर दिया है परेशान तो इन जगहों पर घूमें

जब गर्मी का मौसम आता है तो मन करता है कि किसी ठंडी जगह पर जाकर रहा जाए। चिलचिलाती गर्मी सिर्फ तन को ही नहीं, मन को भी झिंझोड़कर रख देती हैं। ऐसे में समर वेकेशन में हम सभी किसी कूलिंग प्लेस पर जाना चाहते हैं। वैसे इस मौसम में घूमने के स्थान का चयन बेहद सोच-समझकर करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप गर्मी के दिनों में कुछ रिलैक्सिंग पल बिता सकते हैं-

शिमला

भारत में गर्मी का मौसम बिताने के लिए शिमला एक आदर्श स्थान है। हिमाचल प्रदेश में इसे 'हिल स्टेशनों की रानी' कहा जाता है। यहां की जलवायु के कारण ही ब्रिटिश उपनिवेश यहां हर गर्मियों में बसते थे। कई आवास विकल्प हैं, और आश्चर्य है।

शिमला में करने के लिए चीजें:

- कालका से शिमला के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- व्हाइट वाटर राफ्टिंग करें।
- खाने, खरीदारी करने और आनंद लेने के लिए माल रोड के आसपास घूमें।
- मॉल के पास खूबसूरत क्राइस्ट चर्च की सैर करें।
- जाखू हनुमान मंदिर तक ट्रेक करें।
- वाइसरीगल लॉज, क्राइस्ट चर्च आदि की ब्रिटिश वास्तुकला का अन्वेषण करें।
- कुफरी, चैल और मशोबरा की यात्रा, खूबसूरत पहाड़ी पर्यटन स्थल को एक्सप्लोर करें।

मनाली

भारत में लोकप्रिय ग्रीष्मकालीन अवकाश स्थलों में से एक, हिमाचल प्रदेश में मनाली में प्राकृतिक सुंदरता, और रोमांच का बेहतरीन संगम है। सुरम्य शहर बर्फ से ढकी पर्वत चोटियों और ब्यास नदी द्वारा पोषित हरियाली से घिरा हुआ है। आपकी छुट्टी का मुख्य आकर्षण रोहतांग दर्रे पर बर्फ का आनंद लेना है।

मनाली में करने के लिए चीजें:

- हडिम्बा मंदिर, वन विहार हिमालयन निंगमापा गोम्पा मठ, क्लब हाउस आदि जगहों के दर्शनीय स्थल।
- सोलंग घाटी में साहसिक खेलों में शामिल हों।
- बर्फ का मजा लेने के लिए रोहतांग दर्रे पर जाएं।
- ब्यास नदी में रिवर राफ्टिंग करें।
- कुल्लू, मणिकरण गुरुद्वारा, जोगिनी जलप्रपात, अर्जुन गुफा, भृगु झील और वशिष्ठ हॉट-वाटर स्प्रिंग्स की यात्रा करें।
- सेब के बागों में जाएं।
- कैम्पिंग और ट्रेकिंग।

दार्जिलिंग

पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग उत्तर पूर्व में लोकप्रिय समर हॉलिडे गेटवे में से एक है। हरी चाय के बागानों से घिरा, पहाड़ी शहर एक आरामदायक गर्मी की छुट्टी के लिए एकदम सही है। प्रकृति और मनुष्य द्वारा बनाए गए सुंदर स्थलों को एक्सप्लोर करें। मठों में तिब्बती जड़ों के बारे में जानें। मनोरंजक व्यवहार, खरीदारी और बहुत कुछ में शामिल हों।

दार्जिलिंग में करने के लिए चीजें:

- पहाड़ी शहर में जाने के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- बतासिया लूप और गोरखा युद्ध स्मारक में आनंद लें।
- हैप्पी वैली टी एस्टेट में चाय बागानों को एक्सप्लोर करें।
- टाइगर हिल से राजसी सूर्योदय देखें।
- पद्मजा नायडू जूलॉजिकल पार्क में वन्यजीवों को एक्सप्लोर करें।
- माल रोड पर खरीदारी करें।

मुन्नार

भारत का अपना देश कहा जाने वाला केरल भारत में लोकप्रिय हॉलिडे डेस्टिनेशन में से एक है। पश्चिमी घाट की हरी-भरी गोद में बसा मुन्नार गर्मी बढ़ने पर एक सुखद पलायन है। अपने खूबसूरत नजारों, चाय के बागानों, अनोखे वनस्पतियों और जीवों, मसालों की सुगंध और सुहावने मौसम के लिए प्रसिद्ध है।

मुन्नार में करने के लिए चीजें:

- चाय बागानों की हरी-भरी सुंदरता का आनंद लें।
- कुंडला झील, इको पॉइंट और एलिफेंट लेक पर जाएं।
- अनामुडी पीक के लिए ट्रेक करें
- टाटा टी म्यूजियम को एक्सप्लोर करें।
- ट्री हाउस में रहें।
- इको पॉइंट तक ट्रेकिंग, माउंटेन बाइकिंग, कुंडला झील में शिकारा की सवारी।
- कार्मेलागिरी हाथी पार्क में हाथी सफारी।

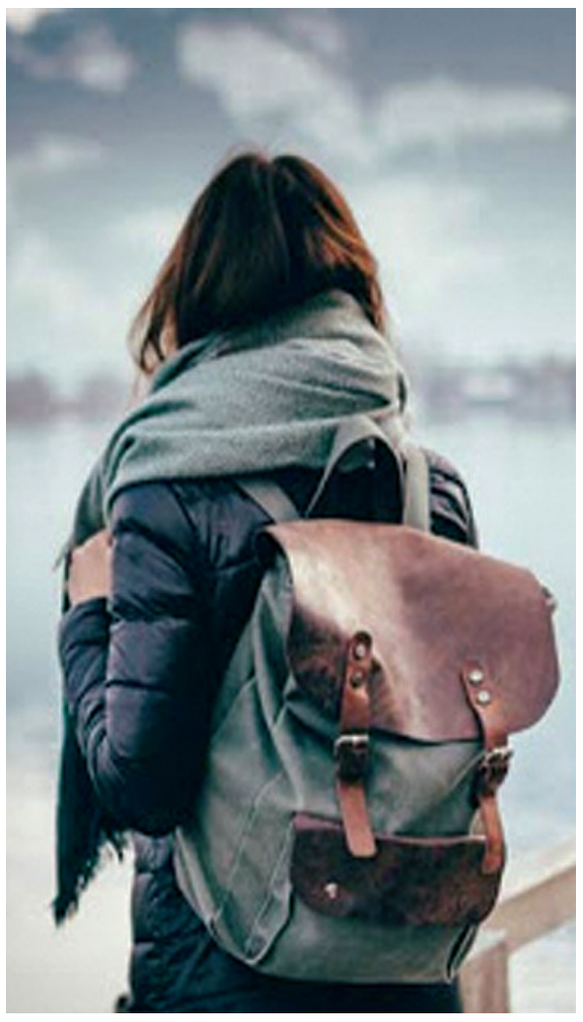

पार्टनर के साथ घूमने के लिए बेहतरीन जगह है लोटस वैली

अपने गौरवशाली अतीत के साथ-साथ इंदौर में घूमने के लिए कई बेहतरीन स्थान मौजूद हैं। दुकान और सर्राफा बाजार की हलचल भरी सड़कों से, शहर पर्यटन स्थलों का एक समूह प्रदान करता है, जिसे इंदौर में देखने से नहीं चूकना चाहिए। शहर से कुछ ही दूरी पर, शानदार गुलावट लोटस वैली स्थित है। अपने शांत वातावरण और आश्चर्यजनक दृश्यों के कारण, इसे अक्सर छिपा हुआ रत्न माना जाता है। और चूंकि गुलावट लोटस वैली इंदौर के बहुत पास है, आप आसानी से एक दिन का समय निकाल सकते हैं और अद्भुत जगह की एक छोटी यात्रा का आनंद ले सकते हैं। चाहे आप अपने जीवनसाथी के साथ रोमांटिक आउटिंग की योजना बना रहे हों या पारिवारिक पिकनिक पर, यह एक ऐसी जगह है जहाँ आपको अवश्य जाना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इंदौर में गुलावट लोटस वैली के बारे में बता रहे हैं-

इन चीजों का लें आनंद

गुलावट लोटस वैली यशवंत सागर डैम के पीछे वाली पानी से बनी एक प्राकृतिक झील है। अगर आप यहां है तो आपको झील के ऊपर स्थित विचित्र 100 मीटर के पुल की एक झलक अवश्य देखनी चाहिए। यहां से, आपको झील और खूबसूरत कमल का एक मनोरम दृश्य प्राप्त कर सकते हैं, जो इसे इंदौर में दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक बनाता है। पहली किरणों को झील के ऊपर तैरते फूलों को देखना बेहतरीन होता है। आप यहां पर नौका विहार और घुड़सवारी जैसी कुछ गतिविधियों में भी शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा, घाटी के पास स्थित हनुमान मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं। जगह की सुंदरता को बढ़ाते हुए, गुलावट घाटी के पास नीलगिरी और बांस के जंगल भी हैं जो आपको प्रकृति की गोद में कुछ समय बिताने का अवसर प्रदान करते हैं। आप जंगल में छोटे तालाब भी देख सकते हैं जहां यशवंत सागर बांध से पानी आता है। आप पास के गुलावट गांव में भी टहल सकते हैं और यहां के स्थानीय लोगों की जीवनशैली के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

घूमने का सबसे अच्छा समय

वैसे तो लोटस वैली में आप कभी भी जा सकते हैं, लेकिन यहां घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से फरवरी तक का माना जाता है। जब इस वैली में फूल बेहतरीन तरीके से खिले होते हैं। इसके अलावा, यह सलाह दी जाती है कि आप सुबह जल्दी घाटी की यात्रा करें। ऐसा इसलिए है क्योंकि कमल की जड़ें कीचड़ में दबी रहती हैं। वे हर रात नदी के पानी में डूब जाते हैं और अगली सुबह आश्चर्यजनक रूप से फिर से खिलते हैं। इसलिए, यदि आप चमचमाते स्वच्छ कमल देखना चाहते हैं, तो समय पर पहुंचें।

सोलो ट्रेवलिंग पर जा रहे हैं तो इन बातों का रखें ध्यान

ट्रेवलिंग करने का अपना एक अलग ही आनंद है। यूं तो लोग अधिकतर अपने दोस्तों, परिवार या रिश्तेदारों के साथ ट्रेवलिंग करना अधिक पसंद करते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से सोलो ट्रेवलिंग का चलन भी काफी बढ़ा है। सोलो ट्रेवलिंग से व्यक्ति के मन में एक गजब का आत्मविश्वास आता है, हालांकि यह कभी-कभी रिस्की भी हो सकता है। इतना ही नहीं, अनजान शहर में जब आप कभी अकेले फंस जाते हैं तो आपको काफी परेशानी भी झेलनी पड़ सकती है। इसलिए जरूरी है कि सोलो ट्रेवलिंग से पहले आप इसकी पूरी तैयारी कर लें, ताकि आपका यह सफर स्ह्ढद्धद्दह्न ना बन जाए। तो चलिए जानते हैं कि सोलो ट्रेवलिंग के दौरान किन बातों का खास ख्याल रखा जाए-

अच्छी तरह करें रिसर्च

यह सोलो ट्रेवलिंग का सबसे पहला और महत्वपूर्ण नियम है। जब आप अकेले घूमने का प्लॉन कर रहे हैं तो पहले इंटरनेट के माध्यम से उस जगह के बारे में अच्छी तरह जान लें। साथ ही आप जिस होटल में रूकने वाले हैं, उसके बारे में व उसके आसपास की जगहों के बारे में भी पता लगाएं। इससे आपको दो लाभ होंगे। सबसे पहले तो आपको पैकिंग में आसानी होगी, वहीं दूसरी ओर, जब आपको काफी कुछ पहले से ही पता होगा तो अनजान शहर में आपको अकेला देखकर लोग आपका फायदा नहीं उठा पाएंगे, क्योंकि उन्हें ऐसा लगेगा कि आप यहां पहले भी कई बार आ चुके हैं और यहां की अधिकतर जगहों से वाकिफ हैं।

सही तरह से करें पैकिंग

जब आप सोलो ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो पैकिंग पर अतिरिक्त ध्यान दें। अपनी जरूरत का हर सामान पैक करें। हो सकता है कि नए शहर में आपको वह चीज आसानी से ना मिले, हालांकि अपना कीमती सामान साथ ना ही रखें तो बेहतर होगा। इसके अलावा, आप अपनी जरूरी डॉक्यूमेंट्स की एक सॉफ्ट कॉपी अपनी मेल आईडी पर जरूर रखें ताकि कभी भी जरूरत पड़ने पर आप उसे इस्तेमाल कर पाएं।

कैरी करें कैश

आजकल डिजिटल जमाना है, इसलिए अधिकतर लोग कैश कैरी करना पसंद नहीं करते और ना ही उन्हें यह एक सुरक्षित तरीका लगता है। लेकिन ऐसा ना करें। सोलो ट्रेवलिंग के दौरान अपने साथ कुछ कैश अवश्य रखें। साथ ही साथ इस बात का भी ख्याल रखें कि आप उन्हें केवल एक जगह पर ही ना रखें। दरअसल, बाहर घूमते समय चोरी होने की संभावना बहुत अधिक होती है। ऐसे में अगर आपने कई अलग-अलग जगहों पर पैसे रखे होंगे तो चोरी होने पर भी आपको समस्या नहीं होगी।

रखें सेफ्टी किट

यह एक बेहद महत्वपूर्ण पहलू है, जिस पर ध्यान दिया जाना अत्यंत आवश्यक है। चूंकि आप अकेले ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो ऐसे में आपकी सुरक्षा का जिम्मा आपका ही है। इसलिए अपने बैग में एक सेफ्टी किट अवश्य बनाएं। जिसमें आप चाकू, पेपर स्प्रे, व अन्य चीजें रख सकते हैं। किसी अप्रिय स्थिति में यह चीजें आपके बेहद काम आएंगी। साथ ही साथ आप अपने किसी करीबी या प्रियजन को अवश्य बताएं कि आप कहां घूमने जा रहे हैं और आपके ट्रेवलिंग टाइमिंग्स क्या है। साथ ही साथ दिन में दो बार उससे बात अवश्य करें।

ना करें जाहिर

भले ही सोलो ट्रेवलिंग आपको एक अनुभव प्रदान करती हो, लेकिन जब आप अकेले ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि आप इस बात को सामने वाले पर जाहिर ना होने दें। कभी भी अनजान व्यक्ति से अपनी ट्रेवलिंग से जुड़ी सारी बातें शेयर ना करें और ना ही किसी को यह पता लगने दें कि आप अकेले ट्रेवल कर रहे हैं।

अली अब्बास जफर की फिल्म में एक्शन का दम दिखाएंगे अहान पांडे

अहान पांडे ने पहली ही फिल्म से शानदार शुरुआत की। बीते साल आई 'सैयारा' ने जबर्दस्त कमाई की। डेब्यू फिल्म के बाद अहान अली अब्बास जफर की फिल्म में नजर आएंगे। इसमें वे एक्शन का दम दिखाएंगे और इसके लिए अपनी फिजीक पर बहुत मेहनत कर रहे हैं। यशराज फिल्म्स की ब्लॉकबस्टर 'सैयारा' के बाद अहान की दूसरी फिल्म के शूट को लेकर अपडेट सामने आया है।

कब से शुरू होगी शूटिंग?

अली अब्बास जफर की फिल्म में अहान पांडे के अलावा शरवरी भी नजर आएंगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अहान इस साल मार्च के आखिरी हफ्ते में मुंबई में इस एक्शन रोमांस फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। अहान के साथ फिल्म की लीडिंग लेडी शरवरी भी शूटिंग शुरू करेंगी। टीम का प्लान है कि पहला शेड्यूल मुंबई में लगभग एक महीने के बीच शूट किया जाए।

लंदन में करेंगे बड़े एक्शन सीन

फिलहाल अहान की इस फिल्म का टाइटल तय नहीं है। इस फिल्म के लिए वे इंटेंस वर्कआउट सेशन कर रहे हैं। एक्टर को कई बार जिम के बाहर फैंस से मिलते हुए देखा गया है और इसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। कहा जा रहा है कि अहान पांडे स्टारर इस फिल्म में जबर्दस्त एक्शन शेड्यूल है। लंदन में शूटिंग मई 2026 में शुरू होने की उम्मीद है, जहां अहान पांच दिनों में एक बड़े एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग करेंगे।

कब रिलीज हो सकती है फिल्म?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अहान पांडे अली अब्बास जफर निर्देशित इस फिल्म में अपने किरदार के लिए ट्रेनिंग भी ले रहे हैं। इसमें फाइट की इंटेंस प्रैक्टिस और हथियार चलाने की ट्रेनिंग शामिल है। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में वह अपने रोमांटिक डेब्यू के मुकाबले बिल्कुल नए और अलग एक्शन वाले अवतार में दिखेंगे। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग जुलाई 2026 तक पूरी करने की तैयारी है और इसे अगले साल तक सिनेमाघरों में रिलीज करने का प्लान है।

एक्शन-एडवेंचर फिल्म 'वृषकर्मा' में आर्कियोलॉजिस्ट के रोल में हैं मीनाक्षी चौधरी

राक्षसी शक्ति का नाश करते नजर आएंगे नागा चैतन्य

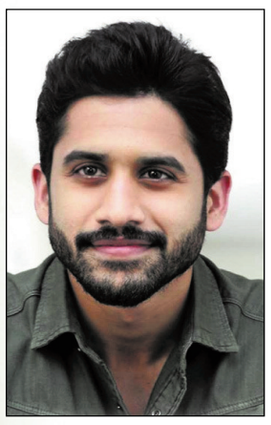

एक्शन-एडवेंचर फिल्म के निर्देशक कार्तिक वर्मा दंडू की रहस्यमय थ्रिलर फिल्म 'वृषकर्मा' की पहली झलक सामने आ चुकी है। झलक में एक अंधेरी अलौकिक दुनिया को दर्शाया गया है, जहां एक रहस्यमय रेखाचित्र वास्तविकता में तब्दील हो जाते हैं, जो राक्षसी शक्तियों की ओर इशारा करते हैं।

इस फिल्म की खास झलक की शुरुआत एक डरावने सीन से होती है। एक कमरे में स्पर्श श्रीवास्तव एक अजीब चित्र बनाते नजर आते हैं और फिर अचानक उनके मुंह से चमगादड़ निकलता नजर आता है। इस सीन से पते चलता है कि यह फिल्म काफी डरावनी और रहस्यमयी पहलुओं पर बनी है। जब नागा चैतन्य की धमाकेदार एंट्री होती है। वे एक ऐसे खजाना खोजने वाले के रोल में हैं, जो पुरानी अंधेरी शक्तियों और रहस्यों से लड़ता है। उनका किरदार किसी राक्षसी ताकत का सामना करने के लिए चुना गया लगता है। कहानी में भाग्य और धर्म का कनेक्शन दिखता है। नागा चैतन्य का नया लुक और बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

इस फिल्म में नागा के अलावा मीनाक्षी चौधरी मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में मीनाक्षी एक आर्कियोलॉजिस्ट के रोल में हैं और साथ ही इसकी कहानी के बड़े रहस्य को खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती नजर आ रही हैं।

फिल्म 'वृषकर्मा' के बारे में

'वृषकर्मा' एक रहस्यमयी थ्रिलर फिल्म है, जिसे कार्तिक दांडू ने डायरेक्ट किया है। इसकी झलक में पौराणिक कहानियां, सुपरनैचुरल हॉरर और एक्शन का मजेदार मिश्रण है। इस फिल्म को बीवीएसएन प्रसाद ने बनाया है और सुकुमार ने पटकथा लिखी है। इसमें ब्रह्माजी, जरीन वहाब और जयराम जैसे कलाकार भी हैं।

बॉडी फिगर की वजह से आयशा खान ने किया रिजेक्शन का सामना

फिल्म अभिनेत्री आयशा खान ने अपने बॉडी शेमिंग और उन्हें सोशल मीडिया पर मिलने वाली दुष्कर्म की धमकियों के बारे में अपना दुख बयां किया। एक्ट्रेस ने इससे जुड़े अपने कड़वे अनुभव को भी साझा किया।

अभिनेत्री आयशा खान, आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' के गाने शरारत में नजर आई थीं। उन्होनें याद करते हुए बताया कि, जब वो बारहवीं कक्षा में थीं तब उन्हें टी-सीरीज के एक गाने में सेकेंड लीड की भूमिका निभाने का मौका मिला था। मगर शूटिंग से सिर्फ एक रात पहले उन्हें रोल के लिए ओवर वेट होने कारण हटा दिया गया। आगे 'वी द वुमन' कार्यक्रम में आयशा ने कहा कि उन्हें इससे उभरकर अपने लुक को लेकर आत्मविश्वास महसूस करने में काफी वक्त लगा। एक्ट्रेस आयशा खान ने कहा कि, ' सोशल मीडिया पर हर रोज मेरे शरीर के लेकर अभद्र कमेंट्स का सामना करना होता है। एक साधारण सा टॉप भी पहनती हूं तो लोगों के रिएक्शन का डर रहता है। स्कर्ट भी पहनती हूं तो लोगों को बुरा लगता है। इस वजह से अब कुछ भी पोस्ट करने से पहले सोचना पड़ता है कि लोग इसे किस तरह से देखेगें। इन सब की वजह से मुझे काफी डर भी लगता है कि पता नहीं वो मेरे साथ क्या करना चाहते हैं। मनचाहा पोस्ट करने पर मेरा कमेंट सेक्शन पढ़ने का मन भी नहीं करता। क्योंकि उसमें वो लिखते हैं कि उन्हें मौका मिले तो वह मेरे साथ क्या करना चाहते हैं।

हर दिन मिलती हैं दुष्कर्म की धमकियां

शरारत फेम आयशा खान ने अपने उत्पीड़न के बारे में बताया कि, 'अगर इन धमकियां देने वालों में इतनी ताकत होती तो वह रेपिस्ट ही बन जाते। यह सिर्फ मामूली टिप्पणियां नहीं हैं। मुझे हर रोज ऐसी धमकियां मिलती हैं। मैं उम्मीद करती हूं कि इन सब पर कड़ी कार्यवाही की जा सके। मगर में यह सोचती हूं कि अगर में सेलिब्रिटी न होती तो शायद ये धमकियां सच्चाई बन जातीं।

टीवी से की थी शुरूआत

आयशा खान ने अपनी शुरूआत एकता कपूर द्वारा निर्मित सीरियल 'कसौटी जिंदगी की' से की थी। जिसके बाद 'बालवीर रिटर्न्स' में भी काम किया। इसके बाद तेलुगु फिल्म 'मुखचित्रम' में सपोर्टिंग कास्ट के रूप में नजर आयी थीं। हाल हीमें उन्हें 'धुरंधर' के गाने शरारत से पहचान मिली।

हॉलीवुड में काम करना चाहती हैं ऋचा चड्ढा

एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने साल 2008 में बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी और करीब दो दशकों में उन्होंने अपने अलग और दमदार किरदारों से इंडस्ट्री में खास पहचान बनाई है। अब 39 साल की ऋचा अपने करियर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की तैयारी कर रही हैं और हॉलीवुड में भी मजबूत पहचान बनाना चाहती हैं। ऋचा कहती हैं कि वे अपने पति और एक्टर अली फजल के नक्शे-कदम पर चलना चाहती हैं, जिन्होंने हॉलीवुड और इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। अली फजल 'फ्यूरियस' 7 (2015), विक्टोरिया एंड अब्दुल (2017), डेथ ऑन द नील (2022) और कंधार (2023) जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। ऋचा ने कहा, 'मैं भी अली के रास्ते पर चलना चाहती हूं और वेस्ट में कुछ अच्छा काम करना चाहती हूं। भला कौन ऐसा नहीं चाहता? अली ने जिस तरह भारत और विदेश दोनों जगहों पर काम को संभाला है, वह वाकई कमाल का है। उन्हें दोनों दुनिया को इतनी खूबसूरती से बैलेंस करते देखना अपने आप में प्रेरणादायक है। अगर मुझे अच्छी स्क्रिप्ट और दमदार किरदार मिलता है तो मैं हॉलीवुड में काम करना जरूर पसंद करूंगी।'

'बैटल ऑफ गलवां' के बाद एक्शन फिल्म में नजर आएंगे सलमान खान

सलमान खान ने 'बैटल ऑफ गलवां' फिल्म की शूटिंग के बाद अपनी अगली बड़ी फिल्म साइन कर ली है। यह फिल्म एक बड़ा बजट वाली एक्शन थ्रिलर है। इसे तेलुगु के मशहूर प्रोड्यूसर दिल राजू बनाएंगे। निर्देशन वामशी पेडिपल्ली करेंगे, जो नेशनल अवॉर्ड जीत चुके हैं और थलपति विजय की फिल्म 'वरिसु' के डायरेक्टर हैं। सलमान को वामशी पेडिपल्ली की फिल्म की स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई। फिल्म में ढेर सारा एक्शन होगा और साथ ही मजबूत इमोशनल कहानी भी है। यह एक पैन-इंडिया फिल्म होगी, जिसमें कई बड़े सितारे काम कर सकते हैं। अभी हीरोइन का नाम फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन एक जानी-मानी अभिनेत्री से बात चल रही है। सलमान अभी अपूर्वा लखिया की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह फिल्म 2020 के गलवान घाटी युद्ध पर आधारित है।

मुख्य भूमिका में नजर आएंगी चित्रांगदा सिंह

इस फिल्म में सलमान के साथ मुख्य भूमिका में चित्रांगदा सिंह नजर आएंगी। यह अप्रैल 2026 पर रिलीज हो सकती है। 'बैटल ऑफ गलवां' पूरी होने के बाद, सलमान अप्रैल 2026 से नई फिल्म (दिल राजू वाली) की शूटिंग शुरू करेंगे। यह फिल्म 2027 में सिनेमाघरों में आने की उम्मीद है। इसके अलावा सलमान जल्द ही राज एंड डीके की एक सुपरहीरो फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर सकते हैं। सलमान के फैंस उनकी पिछली फिल्म 'सिकंदर' के फ्लॉप होने के बाद अब नई हिट का इंतजार कर रहे हैं।

नेपोटिज्म पर सैफ अली खान ने दी प्रतिक्रिया

बॉलीवुड में नेपोटिज्म को लेकर अक्सर ही बहस छिड़ी रहती है। आउटसाइडर इसको लेकर इल्जाम लगाते रहते हैं। जबकि स्टारकिड अपना पक्ष भी रखते रहते हैं। अभिनेता सैफ अली खान भी एक स्टारकिड हैं और उनके दो बच्चे इब्राहिम अली खान और सारा अली खान भी फिल्म इंडस्ट्री में हैं। अब सैफ ने इस बारे में बात की। उनका मानना है कि पारिवारिक संबंधों के कारण उन्हें जो अवसर मिले हैं, वे उन लोगों की तुलना में बेहद अन्यायपूर्ण हैं, जिन्हें ये प्रिवलेज नहीं हैं।

स्टारकिड्स प्रिवलेज्ड हैं

अपनी बहन सोहा अली खान के यूट्यूब चैनल पर बातचीत में सैफ अली खान ने कहा कि भाग्यशाली लोगों और गुमनाम, दुर्भाग्यशाली लोगों में बहुत बड़ा अंतर होता है, जिन्हें पहचान बनाने के बहुत कम मौके मिलते हैं। इसीलिए यह देखना अद्भुत है कि कोई गिटारिस्ट, म्यूजिक डायरेक्टर या अभिनेता बनकर बिना किसी गॉडफादर या मशहूर माता-पिता के सहारे जमीनी स्तर से सफलता की सीढ़ियां चढ़ता है। माता-पिता की लोकप्रियता के कारण हमें जो सफलता मिलती है, वह बेहद अन्यायपूर्ण है और हमारे लिए एक प्रिवलेज है। नेपोटिज्म पर मेरा यही नजरिया है।

लोग तब उठाते हैं सवाल

बातचीत के दौरान सैफ ने आगे कहा कि जब आप अपने काम में माहिर हो जाते हैं, तो दर्शक संतुष्ट हो जाते हैं। लेकिन समस्या तब आती है जब आपको बार-बार मौके मिलते हैं और आप अपने काम में बिल्कुल बेकार होते हैं। तब लोग कहते हैं, 'अरे, ये क्या हो रहा है? किसी को मौका नहीं मिल रहा और उस व्यक्ति को बार-बार मौका मिल रहा है। मुझे लगता है, ये बहुत गलत है।

मदद करने की सीमा होती है

इंडस्ट्री का हिस्सा बन चुके अपने बच्चों सारा अली खान और इब्राहिम अली खान के बारे में भी सैफ ने बात की। उन्होंने कहा कि उनकी मदद करने की भी एक सीमा होती है। मैं निश्चित रूप से अपने सभी बच्चों का समर्थन करूंगा, लेकिन इसकी भी एक सीमा होती है। मैं इब्राहिम से भी कहता हूं। मेरा मतलब है कि मुझे नहीं पता कि इस समय मुझे तुम्हारे साथ खड़े होकर तुम्हारा हाथ थामना चाहिए या नहीं, क्योंकि तुम पहले ही अपनी हैसियत की वजह से बहुत कुछ हासिल कर चुके हो। इसलिए तुम्हें ये सब खुद करना होगा।

इब्राहिम की एक्टिंग की हुई थी आलोचना

वर्कफ्रंट की बात करें तो इब्राहिम अली खान ने पिछले साल फिल्म 'नादानियां' से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी। इसके बाद ओटीटी पर ही उनकी अगली फिल्म 'सरजमीं' भी आई थी। हालांकि, इन दोनों फिल्मों में उनकी एक्टिंग की काफी आलोचना हुई थी। अब अगली बार इब्राहिम 'दिलर' में नजर आएंगे, जो सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं सैफ अली खान की पाइपलाइन में 'हैवान' शामिल है, इसमें वो अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।